राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 75 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शुक्रवार 23 जनवरी 2026 www.samaydarshan.in

उद्घाटन समारोह
23 जनवरी, 2026 | सुबह 10 बजे
पुरखौती मुक्तांगन
साहित्य का संगम

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान और सूडान की श्रेणी में आया बांग्लादेश?

नईदिल्ली। बांग्लादेश में चिंताजनक हालात को देखते हुए भारत ने अपने सभी राजनयिकों के परिवारों को वापस बुला लिया है। हालांकि, राजनयिक सभी मिशनों पर तैनात रहेंगे। केंद्र सरकार ने यह फैसला तब लिया है, जब बांग्लादेश में 12 फरवरी को आम चुनाव होने वाले हैं और वहां हालात तनावपूर्ण हैं। विदेश मंत्रालय की ओर से अभी इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन कहा जा रहा है कि सभी परिवार जनवरी के अंत तक भारत आ जाएंगे। सूत्रों ने बताया कि भारत ने बांग्लादेश को गैर-पारिवारिक राजनयिक तैनाती स्थल के रूप में दर्ज करने का फैसला किया है। इसका मतलब है कि बांग्लादेश में तैनात होने वाले राजनयिक अब अपने पति-पत्नी और बच्चों समेत परिवार के अन्य सदस्यों को साथ नहीं ले जा सकेंगे।

पहाड़ों की बर्फबारी और मैदानों की बारिश से बिगड़ेंगे हालात

नईदिल्ली। उत्तर भारत में इन दिनों तापमान में मामूली बढ़ोतरी से ठंड ने थोड़ी राहत दी है, लेकिन अब मौसम एक बार फिर करवट बदलने वाला है। पहाड़ों पर भारी बर्फबारी और मैदानों में बारिश के साथ तेज हवाओं का दौर शुरू होने से कड़ाके की सर्दी लौटने वाली है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से 22 जनवरी से राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा में बारिश की संभावना है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 22 से 26 जनवरी तक बारिश और भारी बर्फबारी की संभावना बनी हुई है। गुलमर्ग, मनाली, शिमला में बर्फ की चादर बिछी नजर आ सकती है। आईएमडी ने उत्तराखंड में 23-25 जनवरी के बीच भारी बारिश और तेज हवा चलने की चेतावनी जारी की है।

अहमदाबाद विमान हादसे को लेकर अमेरिकी संस्था का दावा, कहा- दुर्घटनाग्रस्त विमान में कई खामियां थीं

अहमदाबाद। अमेरिका की विमानन सुरक्षा से जुड़ी एक संस्था ने दावा किया है कि गुजरात के अहमदाबाद में पिछले साल दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान में पहले भी कई खराबी आ चुकी थी। अमेरिकी अभियान समूह, फाउंडेशन फॉर एविएशन सेफ्टी ने बताया कि एयर इंडिया विमान में न केवल खराबी आई थी बल्कि उसमें पहले आग भी लग चुकी थी। संस्था ने अपनी रिपोर्ट अमेरिकी सीनेट को भेजी है, जिसमें अपने निष्कर्षों को रेखांकित किया है। दुर्घटना की आधिकारिक जांच जारी है।

छग प्लांट में घमाका

छह मजदूरों की मौत, दस घायल, कई मलबे में दबे

भाटापारा। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार भाटापारा जिले के बलौदाबाजार में इस्पात संयंत्र में भीषण हादसा हो गया। क्लिनिकल फर्नेस के दौरान ब्लास्ट होने में छह मजदूरों की मौत हो गई है। वहीं दर्जनभर लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। अफरा-तफरी मच गई। पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में जुट गई है। दरअसल, बलौदाबाजार जिले के भाटापारा क्षेत्र के बकुलाही गांव में स्थित एक निजी इस्पात स्पंज आयरन फैक्ट्री में आज यानी गुरुवार सुबह भीषण विस्फोट होने से कम से कम छह मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 12 से अधिक अन्य गंभीर रूप से झुलस गए हैं। घटना सुबह करीब 10 बजे उस समय हुई, जब फैक्ट्री के स्पंज आयरन प्लांट के कोल कीलन में अचानक तेज धमाका हो गया। इसकी चपेट में आए अधिकांश मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी चीख-पुकार से पूरा परिसर गूंज उठा।

विस्फोट इतना भीषण था कि आसपास काम कर रहे लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। मौके पर दमकल, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तुरंत पहुंच गए और घायलों को निकटतम स्वास्थ्य केंद्र और निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। कुछ गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बिलासपुर रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने पूरे मामले में केस दर्ज कर आधिकारिक जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में फैक्ट्री की तकनीकी खराबी या मशीनरी में दबाव वृद्धि को विस्फोट का संभावित कारण बताया जा रहा है। अधिकारियों ने मृतकों के परिजनों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने और घायलों के बेहतर इलाज की भी बात कही है। इधर, मजदूर संगठनों ने इस हादसे को सुरक्षा मानकों की उपेक्षा का नतीजा बताया है। उन्होंने कहा कि कारखानों में सुरक्षा उपायों की कमी अनेक बार जानलेवा साबित हो चुकी है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जताया दुख

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि उन्होंने कलेक्टर से बात की है और उन्हें घायलों को बेहतरीन इलाज मुहैया कराने का निर्देश दिया है। जायसवाल ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और दिवंगत आत्माओं की शांति और शोक संतप्त परिवारों को इस अपूरणीय क्षति को सहने की शक्ति के लिए प्रार्थना की। स्वास्थ्य मंत्री ने घटना की गहन जांच कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफत्वरित एवं कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति और शोक संतप्त परिवारों को इस अपूरणीय क्षति को सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है। मंत्री जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार इस मुश्किल घड़ी में प्रभावित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है और हर आवश्यक सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया है।

28 से शुरू होगा संसद का बजट सत्र

केंद्र ने 27 को बुलाई सर्वदलीय बैठक, विपक्ष को साधने की तैयारी

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रविवार, 1 फरवरी को देश का बजट पेश करेंगी। इससे पहले संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने बजट सेशन से पहले, 27 जनवरी को पार्लियामेंट के दोनों सदनों के फ्लोर लीडर्स की एक ऑल-पार्टी मीटिंग बुलाई है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, यह मीटिंग पार्लियामेंट के मेन कमिटी रूम में होने वाली है। उम्मीद है कि सरकार आने वाले सेशन के दौरान जरूरी नेशनल मुद्दों और सदनों के सामने आने वाले लेजिस्लेटिव कामों पर चर्चा करेगी। बता दें कि संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू होगा और एक ब्रेक के साथ 2 अप्रैल तक चलेगा। पहला फेज 28 जनवरी से 13 फरवरी तक चलेगा, जबकि दूसरा फेज 9 मार्च से 2 अप्रैल तक चलेगा। सेशन के दौरान कुल 30 मीटिंग होने की उम्मीद है। यूनियन बजट 2026-27 1 फरवरी को पेश किया जाएगा। सेशन की फॉर्मल शुरुआत भारत की प्रेसिडेंट द्रौपदी मुर्मू के लोकसभा और राज्यसभा दोनों के सदस्यों के संबोधन से होगी।

मंत्रालय ने बेसिक कस्मट ड्यूटी घटाया

मिनिस्ट्री ने ओपन सेल और मुख्य कंपोनेंट्स पर बेसिक कस्टम ड्यूटी को भी घटाकर 5 परसेंट कर दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट में फाइनेंस मिनिस्टर ने कहा कि हमारी 'मेक इन इंडिया' पॉलिसी के मुताबिक, और इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर को ठीक करने के लिए, मैं इंटरैक्टिव फ्लैट पैनल डिस्प्ले पर बीसीडी को 10 परसेंट से बढ़ाकर 20 परसेंट करने और ओपन सेल और दूसरे कंपोनेंट्स पर बीसीडी को घटाकर 5 परसेंट करने का प्रस्ताव करता हूं।

प्रयागराज विवाद के बीच सीएम योगी का बड़ा बयान

संन्यासी के लिए धर्म और राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं-सीएम योगी

प्रयागराज/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोनीपत के मुरथल स्थित बाबा नागे वाला धाम पहुंचे, जहां उन्होंने मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और आठमान भंडारे में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में नाथ संप्रदाय के संतों, श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, और योगी आदित्यनाथ के संबोधन से पूरा मंच जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम की शुरुआत योगी आदित्यनाथ ने संतों के नाम लेकर जयकारों से की। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में

चल रहे माघ मेले और ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से जुड़े विवाद के बीच एक बड़ा और सख्त बयान दिया है। उन्होंने कहा कि एक योगी, एक संत या संन्यासी के लिए धर्म और राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं होता। योगी ने स्पष्ट किया कि संन्यासी की कोई व्यक्तिगत संपत्ति नहीं होती, उसकी असली संपत्ति धर्म है और राष्ट्र ही उसका स्वाभिमान है। उन्होंने आयोजक गोरक्षपीठाधीश्वर महंत बालक नाथ महाराज, यहां के महंत और अन्य आयोजकों को बधाई दी। योगी ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत में नाथ संप्रदाय सबसे प्राचीन और प्रभावशाली समुदाय है। यह संप्रदाय जनता को जीने का अच्छा तरीका सिखाता है और सनातन धर्म को मजबूत करने में सबसे आगे है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सनातन धर्म की ओर अग्रसर है।

गोवा में रूसी नागरिक ने एलेना नाम की 2 महिलाओं की हत्या मां की वजह से की

पणजी। गोवा में पिछले हफ्ते एलेना नाम की 2 रूसी महिलाओं की हत्या के मामले में गिरफ्तार रूसी नागरिक ने पुलिस से कबूला कि उसे इस नाम से नफरत है। आग का करतब दिखाने वाले कलाकार एलेक्सी लियोनोव ने पुलिस को बताया कि उसकी मां का नाम भी एलेना था, जिसने बचपन में उसकी उपेक्षा की थी। इसी वजह से उसके मन में एलेना नाम के लोगों के प्रति एक खास तरह की दुश्मनी पैदा हो गई है। गोवा में 15 जनवरी को 2 रूसी महिलाओं का शव मिलने से सनसनी फैल गई थी, जिसमें एक एलेना कस्थानोवा (37) और दूसरी एलेना वानीवा (37) थीं।

बजट सत्र में उठाएंगे मुद्दा-खरगे

मनरेगा खत्म करना गरीबों को बंधुआ मजदूर बनाने की साजिश

नयी दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम' को लेकर बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (मनरेगा) को खत्म करना गरीबों को 'बंधुआ मजदूर' बनाने की साजिश है तथा 28 जनवरी से शुरू हो रहे संसद के बजट सत्र के दौरान उनका दल इस मुद्दे को उठाएगा। उन्होंने कांग्रेस के नवगठित प्रकोष्ट 'रचनात्मक कांग्रेस' की ओर से आयोजित कार्यक्रम 'मनरेगा बचाओ मोर्चा'

को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस मनरेगा की बहाली के लिए देश भर में व्यापक आंदोलन शुरू कर रही है। खरगे ने कहा, देश के तमाम हिस्सों में कांग्रेस पार्टी मनरेगा को बचाने के लिए आंदोलन करने जा रही है। मनरेगा को खत्म करना, सिर्फ कमजोर तबकों पर प्रहार नहीं है। यह महात्मा गांधी जी को जन स्मृति से हटाकर, ग्राम स्वराज की सोच पर हमला करने की साजिश है। उन्होंने कहा, यह पहली बार है कि कोई दल किसी योजना का महात्मा गांधी पर रखा गया नाम हटाने की हिमाकत कर रहा है। देश इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार मनरेगा को खत्म करने का काम इसलिए कर रही है, ताकि देश के दबे-कुचले लोगों को 'बंधुआ मजदूर' बनाया जा सके। उन्होंने कहा, नरेन्द्र मोदी लोगों को बंधुआ मजदूर बनाकर अमीरों के हाथ में सौंपने जा रहे हैं

जम्मू-कश्मीर के डोडा में हादसा

सेना का वाहन गहरी खाई में गिरा, दस जवानों की जान गई

डोडा/ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में हुए सड़क हादसे में सेना के दस जवानों की जान चली गई जबकि 11 घायल हो गए। हादसा भद्रवाह-चंबा मार्ग पर खन्नी टॉप के पास हुआ। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि सेना की टीम बृहस्पतिवार सुबह एक ऑपरेशनल ड्यूटी के लिए रवाना हुई थी। इसी दौरान खन्नीटॉप के पास दुर्गम और तीव्र मोड़ पर वाहन अनियंत्रित होकर करीब 400 मीटर नीचे गहरी खाई में जा गिरा। हादसे की सूचना मिलते ही सेना, पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद राहत एवं बचाव कार्य चलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि मौके पर ही 10 जवानों की जान चली गई 11 जवान घायल अवस्था में मिले। घायलों को पहले उप जिला अस्पताल भद्रवाह ले जाया गया। जहां से उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें विशेष उपचार के लिए एयरलिफ्ट कर उधमपुर स्थित सेना के कमांड अस्पताल भेजा गया है। हादसे पर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शोक व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि डोडा में हुए दुर्भाग्यपूर्ण सड़क हादसे में हमारे 10 वीर जवानों की जान चली गई। इससे वह बेहद दुखी हैं। हम उनके उत्कृष्ट सेवा भाव और सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद रखेंगे। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। उपराज्यपाल ने आगे कहा कि इस गहरे दुख की घड़ी में पूरा देश शोकाकुल परिवारों के साथ एकजुटता

और समर्थन में खड़ा है। जोबन जीत, सुधेर नरवाल, मोनू, मोहित, एचआर कंवर, सिमरन, पी लोरा, सुलिंदर, अजय लोफरा और स्वर्ण नाग पाल। साहिल, जेपी सिंह, नीरज, अनूप, नागिस, अमन, शंकर, संदीप, जोबनप्रीत, राकेश और अभिमन्यु के रूप में हुई है। सभी घायलों का इलाज जारी है और उनकी हालत पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि घायल जवानों को एयरलिफ्ट कर अस्पताल पहुंचाया गया है और वरिष्ठ अधिकारियों को उनके सर्वोत्तम इलाज के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की।

झारखंड के सारंडा में मुठभेड़: एक करोड़ के इनामी अनल समेत कई नक्सली ढेर, करीब 10 साथियों के मारे जाने की भी खबर

रांची: नक्सल विरोधी अभियान के तहत गुरुवार को चाईबासा जिले के सारंडा जंगल क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सली संगठन के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। यह मुठभेड़ छोटानागरा थाना क्षेत्र के घने और दुर्गम जंगलों में तब हुई, जब नक्सलियों की मौजूदगी की गुप्त सूचना के आधार पर सुरक्षाबलों ने संयुक्त अभियान शुरू किया था। मुठभेड़ में 1 करोड़ रुपये के इनामी नक्सली अनल सहित 9 से 10 अन्य साथी नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सीआरपीएफऔर झारखंड पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को सारंडा के जंगलों में नक्सलियों की गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसके बाद कोबरा बटालियन, झारखंड जगुआर और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। तलाशी अभियान के दौरान जैसे ही सुरक्षाबल नक्सलियों के नजदीक पहुंचे, नक्सलियों ने खुद को घिरा हुआ देख अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने भी तुरंत मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से काफी देर तक भारी गोलीबारी होती रही, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि सुरक्षाबलों के दबाव बढ़ने पर कुछ नक्सली घने जंगलों का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है और सघन तलाशी अभियान जारी है। सुरक्षा एजेंसियां इलाके पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और अतिरिक्त बलों की तैनाती भी की गई है ताकि किसी भी तरह की नक्सली गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

संक्षिप्त समाचार

चारदीवारी से नेतृत्व तक – गृहिणी से 'लखपति दीदी' बनी सीमा बंजारे

जांजगीर-चांपा/ जनपद पंचायत पामगढ़ की ग्राम पंचायत कुटराबोड निवासी श्रीमती सीमा बंजारे की कहानी उन ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा है, जो आज भी स्वयं को घर की चारदीवारी तक सीमित मानती हैं। एक समय था जब श्रीमती सीमा बंजारे का जीवन केवल घर-परिवार और बच्चों की देखभाल तक ही सिमटा हुआ था। आर्थिक निर्भरता और आत्मविश्वास की कमी उनके जीवन की सबसे बड़ी चुनौती थी। लेकिन यह स्थिति तब बदली, जब बिहान योजना की सीआरपी टीम के संपर्क में आने से उन्हें स्व सहायता समूहों की जानकारी मिली। इस संपर्क ने उनके मन में आत्मनिर्भर बनने का सपना जगाया। परिवार की सहमति से उन्होंने जय भीम स्व सहायता समूह से जुड़कर अपने नए जीवन की शुरुआत की। समूह से जुड़ने के बाद श्रीमती सीमा बंजारे ने मेहनत और सक्रिय भागीदारी से जल्द ही अपनी पहचान बना ली। उनकी कार्यकुशलता को देखते हुए उन्हें पहले स्व सहायता समूह का अध्यक्ष चुना गया। आगे चलकर वे ग्राम संगठन में लेखापाल बनीं और वर्तमान में वे पशु सखी के रूप में कार्य करते हुए गांव में एक जिम्मेदार और सशक्त नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी भूमिका निभा रही हैं। आजीविका सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सीमा बंजारे ने दोना-पत्तल निर्माण एवं सब्जी उत्पादन जैसी गतिविधियों को अपनाया। इन कार्यों से उन्हें लगभग 1,20,000 लाख की वार्षिक आय प्राप्त होने लगी। यह आय केवल आर्थिक मजबूती नहीं लाई, बल्कि उन्हें आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और समाज में एक नई पहचान भी दिलाई। आज श्रीमती सीमा बंजारे न केवल अपने मोहल्ले बल्कि पूरे गांव में एक सफल 'लखपति दीदी' के रूप में जानी जाती हैं। वे अन्य महिलाओं को स्व सहायता समूह से जुड़ने, स्वरोजगार अपनाने और आत्मनिर्भर बनने के लिए निरंतर प्रेरित कर रही हैं।

श्रीमती सीमा बंजारे का कहना है कि समूह से जुड़ने के बाद जीवन में खुशियाँ आईं। सही मार्गदर्शन, समूह की एकजुटता और आत्मविश्वास से हर महिला अपने जीवन की तस्वीर बदल सकती है। आज श्रीमती सीमा बंजारे आत्मनिर्भरता, नेतृत्व क्षमता और महिला सशक्तिकरण की सशक्त प्रतीक बन चुकी हैं। उनकी सफलता यह सिद्ध करती है कि यदि अवसर, मार्गदर्शन और विश्वास मिले, तो ग्रामीण महिलाएं भी अपने सपनों को साकार कर समाज में बदलाव की अग्रदूत बन सकती हैं।

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने किया नवजीवन नशा मुक्ति केंद्र के नये भवन का शुभारंभ

सारंगढ़-बिलाईगढ़, (समय दर्शन) कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने सारंगढ़ में फीता काट कर नवजीवन नशा मुक्ति केंद्र का शुभारंभ किया गया। भारत सरकार की योजना नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत नशे से पीड़ित व्यक्तियों के उपचार एवं पुनर्वास के लिए जिले में 15 सीटर नशा मुक्ति केंद्र के संचालन का दायित्व विभाग से जुड़े स्वैच्छिक संस्था उन्नायक सेवा समिति को सौंपा गया है। नशा मुक्ति केंद्र का यह नवीन भवन रायपुर रोड स्थित सहसपुर में संचालित है, जहां वर्तमान में 9 नशे से प्रभावित व्यक्ति पुनर्वास योजना का लाभ प्राप्त कर रहे है। शुभारंभ पश्चात कलेक्टर ने भवन का अवलोकन किया तथा प्रदाय की जा रही सुविधाओं की जानकारी समाज कल्याण अधिकारी से प्राप्त की। कलेक्टर से नशा मुक्ति केंद्र में मापदंड अनुरूप सेवा देने हेतु संस्था प्रभारी को निर्देशित किया। कलेक्टर ने नशा पीड़ित व्यक्तियों से बात कर उनके पुनर्वास संबंधी कार्य की जानकारी ली। कलेक्टर ने सभी हितग्राहियों को नशे का त्याग कर अच्छा नागरिक बनने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा, उप संचालक समाज कल्याण विनय तिवारी, पशुपालन विभाग के डॉक्टर रामभूषण तिवारी, संस्था अधीक्षक रोशन जायसवाल, वृद्धाश्रम की अधीक्षक तुलसा निराला सहित अन्य कर्मचारियों की उपस्थित रही। कलेक्टर ने नशा मुक्ति केंद्र की व्यवस्था की सराहना की है

नशे के कारोबार पर प्रहार : बसना में 21.620 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बसना (समय दर्शन)। बसना में पुलिस द्वारा नशे के कारोबार पर लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना बसना क्षेत्र अंतर्गत एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने कुल 21 किलो 620 ग्राम गांजा बरामद कर दो अंतर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। जब्त किए गए गांजा की अनुमानित कीमत लगभग 10 लाख 75 हजार रुपये बताई गई है।

नशे के कारोबार के नेटवर्क पर बड़ी चोट, सोर्स और सप्लायर दोनों पुलिस की गिरफ्त में।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 18 जनवरी 2026 को Anti Narcotics Task Force को गुप्त सूचना मिली थी कि उड़ीसा से छत्तीसगढ़ की ओर गांजा की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर टीम द्वारा घेराबंदी कर कार्रवाई की गई, जिसमें आरोपी उत्तम दास पिता अनिल दास उम्र 35 वर्ष निवासी झरापाली, थाना मलखानगिरी (उड़ीसा) को पकड़ा गया। उसके पास से एक सफेद प्लास्टिक बोरी में भरा गांजा बरामद किया गया।

पूछताछ के दौरान सामने आया कि आरोपी को यह गांजा शिबा उर्फ शिबु बिंधानी पिता गौतम बिंधानी उम्र 40 वर्ष निवासी दनापदर परमपंगा, थाना बालिगुडा जिला कंदमाल (उड़ीसा) द्वारा उपलब्ध कराया गया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर नारकोटिक एक्ट की धारा 20(ख) के तहत विधिवत कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया।

नशे कि कार्रवाई में गांजा के साथ-साथ परिवहन में प्रयुक्त हीरो सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल क्रमांक CG04 PN1215, एक टच स्क्रीन मोबाइल फोन तथा दो अलग-अलग नंबर प्लेट भी जब्त की गई हैं। जब्त संपत्ति की कुल कीमत लगभग 11 लाख 30 हजार रुपये आंकी गई है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गांजा तस्करी के मामलों में एंड-टू-एंड इन्वेस्टिगेशन, सोर्स प्वाइंट और डेस्टिनेशन प्वाइंट की जांच कर नेटवर्क को पूरी तरह तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार पर बड़ा प्रहार माना जा रहा है और आगे भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।

अवैध शराब माफिया का आतंक: विरोध करने पर युवक से बेरहमी से मारपीट, थाने को दी खुली चुनौती

अहिवारा/ नंदिनी नगर (समय दर्शन)। नंदिनी नगर अहिवारा थाना क्षेत्र में अवैध शराब कारोबारियों के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि अब वे खुलेआम कानून, पुलिस और प्रशासन को चुनौती देने लगे हैं। सरकारी अंग्रेजी शराब के बाजू चल रही अवैध शराब बिक्री का विरोध करना एक जागरूक युवक को भारी पड़ गया।

पीड़ित रितेश प्रसाद (पिताङ्क आत्मा रामभु प्रसाद), निवासी टाउनशिप मार्केट ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि आकाश नामक युवक, जो कथित तौर पर एक अंग्रेजी अहाता (दुकान) का संचालन करता है, उसी की आड़ में खुलेआम अवैध शराब बेच रहा है।

जब रितेश ने इस गैरकानूनी गतिविधि का विरोध किया तो शराब माफिया ने अपनी असली शक्ल दिखा दी। आरोपी ने न सिर्फ मां-बहन की अश्लील गालियां दीं, बल्कि सरेआम मारपीट कर दहशत फैलाने की कोशिश की।

इतना ही नहीं, आरोपी ने खुद को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त बताते हुए खुलेआम कहा—

थाना-पुलिस मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकती, सब पैसे से मैनेज हो जाता है।

यह बयान न केवल पुलिस व्यवस्था पर सीधा सवाल खड़ा करता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि अवैध शराब माफिया किस कदर बेखौफ हो चुके हैं। आरोपी ने पीड़ित को जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि आगे कुछ भी हो सकता है, जिससे पीड़ित और उसका परिवार दहशत में है।

पीड़ित रितेश प्रसाद ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि यदि उसके या उसके परिवार के किसी सदस्य के साथ कोई भी अप्रिय घटना घटती है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी आरोपी और उसके संरक्षकों की होगी।

मामले को लेकर पीड़ित ने थाना प्रभारी, नंदिनी नगर अहिवारा को लिखित शिकायत देकर तत्काल, कठोर और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि—

क्या पुलिस प्रशासन अवैध शराब माफिया के इस खुले आतंक पर लगाम लगाएगा?

या फिर रसूखदार अपराधियों के आगे कानून यूं ही बेबस नजर आता रहेगा?

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स एवं थाना सिंघोड़ा पुलिस की नशे के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक जारी

गांजा की तस्करी करते दो अंतरराज्यीय तस्कर पुलिस की गिरफ्त में

जनवरी में वर्तमान तक अवैध मादक पदार्थ नौ करोड़ साठ लाख तैतीस हजार रुपए का गांजा जब्त

सरायपाली नृपनिधी पाण्डेय (समय दर्शन) - एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी तथा एंड टू एंड एवं फाइनेंशियल इनवेस्टिगेशन,सोर्स प्वाइंट ,डेस्टिनेशन प्वाइंट पर प्रभावी एवं विधिवत कार्यवाही करने हेतु निर्देश प्राप्त हुआ है ,जिस पर विधिसम्मत कार्यवाही करते हुए आरोपी सूरज गवारिया पिता मानसिंह गवारिया उम्र 19 साल निवासी कन्नी नगर नानता कोटा थाना नानता, जिला बूंदी राजस्थान, निर्मला धाकड़ उर्फ रानी पति यादराम उम्र 49 साल निवासी उद्योग नगर 223 अपना घर योजना जेके नगर उद्योगपुरी कोटा हाल मुकाम कन्नी नगर थाना नानता जिला बूंदी राजस्थान के संयुक्त कब्जे से मादक पदार्थ गांजा 04 किग्रा किमती 02 लाख रूपए , परिवहन में प्रयुक्त प्लेटिना मो0सा0 क्रमांक आर जे 20 बी ए 8064 किमती करीबन 15 हजार रूपया, दो नग अलग-अलग कम्पनी के मोबाईल फोन कीमती 10 हजार रूपये को जप्त किया गया है आरोपियों का कृत्य अपराध धारा 20(बी) नारकोटिक एक्ट का पाये जाने से आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम के प्रावधानों के संबंध में विशेष जागरूकता कार्यक्रम किया गया आयोजन

जांजगीर-चांपा/समय दर्शन। कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे के निर्देशन महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के संबंध में 19 जनवरी 2026 से 23 जनवरी 2026 तक जन-जागरूकता एवं प्रचार-प्रसार अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में शासकीय उच्चतर कन्या शाला अकलतरा में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग ने बताया कि कार्यक्रम में अधिनियम महिलाओं को कार्यस्थल पर सुरक्षित, सम्मानजनक एवं भयमुक्त वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से लागू किया गया है तथा 10 या उससे अधिक कर्मचारियों वाले प्रत्येक शासकीय एवं निजी संस्थान में आंतरिक शिकायत समिति का गठन अनिवार्य है इसकी जानकारी दी गई। समिति द्वारा प्राप्त शिकायतों पर निष्पक्ष जांच कर निर्धारित समय-सीमा में कार्यवाही की जाती है तथा शिकायतकर्ता की गोपनीयता का पूर्ण ध्यान रखा जाता है। साथ ही सी-बॉक्स पोर्टल में शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया एवं उसके उपयोग की जानकारी परिचर्चा के माध्यम से दी गई। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम, दहेज प्रतिषेध अधिनियम, सखी वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, बाल विवाह निषेध एवं पोक्सो एक्ट के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में प्राचार्य सहित प्राध्यापक व छात्राएं उपस्थित थी।

मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजनाः श्रमिकों के 72 मेधावी बच्चे हुए लाभान्वित

मुंगेली(समय दर्शन) मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिक परिवारों के 72 मेधावी छात्र-छात्राओं को शिक्षा हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। श्रम विभाग द्वारा प्राप्त आवेदनों की विधिवत जांच के उपरांत पात्र पाए गए 72 मेधावी विद्यार्थियों के बैंक खातों में निर्धारित प्रोत्साहन राशि सीधे अंतरित की गई है। इस सहायता से विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री, फीस एवं अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति में सहयोग प्राप्त हुआ है।योजना से लाभान्वित विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों ने शासन एवं श्रम विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया है। जिले में कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में श्रमिक वर्ग के बच्चों को शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने लगातार प्रयास किया जा रहा है, जिससे वे समाज एवं प्रदेश के विकास में सकारात्मक योगदान दे सकें। श्रम पदाधिकारी अभिषेक सिंह ठाकुर ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य निर्माण श्रमिकों के प्रतिभाशाली बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहित करना एवं उनकी आगे की पढ़ाई के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है। योजना के अंतर्गत कक्षा 10वीं एवं 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर तथा व्यावसायिक, प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि दी जाती है।

विहिप-बजरंग दल की तत्परता से हुआ समाधान, घर वापसी के बाद हिंदू रीति से अंतिम संस्कार

दशगात्र संस्कार व शांति भोज में दिखा सामाजिक समरसता का भाव

राजनांदगांव। राजनांदगांव में वर्षों से दूसरे पंथ की ओर प्रेरित हो रहे यादव परिवार में एक सदस्य के आकस्मिक निधन के बाद अंतिम संस्कार की प्रक्रिया को लेकर समाज और स्थानीय निवासियों के बीच असमंजस की स्थिति बन गई। मतांतरित व्यक्ति का अंतिम संस्कार किस परंपरा के अनुसार किया जाए, इसे लेकर विवाद उत्पन्न हो गया।

मामले की जानकारी मिलते ही विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने संवेदनशीलता दिखाते हुए हस्तक्षेप किया। बजरंग दल के विभाग संयोजक सुनील सेन ने कहा कि भोले-भाले लोगों को विभिन्न प्रलोभनों के माध्यम से सनातन पथ से भटकाया जाता है और बाद में उन्हें अनेक सामाजिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यादव परिवार के साथ भी इसी तरह की स्थिति बनी थी। विवाद के समाधान के लिए विहिप के मार्गदर्शन एवं सहयोग से यादव परिवार ने वैदिक विधि-विधान के अनुसार शुद्धिकरण कर विधिवत घर वापसी की। इस दौरान प्रभु श्रीकृष्ण को प्रणाम कर धार्मिक प्रक्रिया पूर्ण की गई। इसके पश्चात दिवंगत आत्मा का अंतिम संस्कार पूर्णतः हिंदू धर्म की परंपराओं और रीति-रिवाजों के अनुसार श्रद्धापूर्वक संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के धर्मप्रेमी एवं सामाजिक कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। अंतिम संस्कार के बाद आयोजित दशगात्र संस्कार एवं शांति भोज कार्यक्रम में यादव परिवार के साथ बजरंग दल के विभाग संयोजक सुनील सेन तथा नगर संयोजक मोहित यादव ने सहभागिता की। सभी ने साथ बैठकर भोजन किया और हर परिस्थिति में साथ खड़े रहने तथा भाईचारे का संदेश दिया।

नगर संयोजक मोहित यादव ने कहा कि आज कई लोग सनातन धर्म के मूल्यों और स्वतंत्रता को भूलते जा रहे हैं। धोखेबाजी से कराए गए धर्मांतरण के बाद कई बार लोग बड़ी समस्याओं में फंस जाते हैं, जिन्हें वे समाज के सामने व्यक्त नहीं कर पाते। उन्होंने कहा कि बजरंग दल पीड़ित हिंदुओं के साथ खड़ा है और लोगों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार के प्रलोभन से सावधान रहें तथा ऐसी गतिविधियों की जानकारी संगठन को दें। यह आयोजन धार्मिक आस्था और परंपराओं के प्रति दृढ़ विश्वास के साथ.साथ सामाजिक सौहार्द, समरसता और सांस्कृतिक एकता का संदेश देने वाला रहा। बजरंग दल द्वारा किया गया यह प्रयास समाज को जोड़ने और सनातन संस्कृति को सुदृढ़ करने की दिशा में सराहनीय पहल के रूप में देखा जा रहा है।

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने धान खरीदी केंद्र किशनपुर एवं सिंघनपुर का किया औचक निरीक्षण

बसना (समय दर्शन)। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह द्वारा जिले में धान खरीदी कार्य को पारदर्शिता एवं सुचारू रूप से जारी रखने के लिए लगातार सघन दौरा किया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने धान खरीदी केंद्र किशनपुर पिथौरा एवं सिंघनपुर बसना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र पर शेष धान की मात्रा, दैनिक खरीदी लक्ष्य, उठाव की स्थिति एवं लंबित पंजीकृत किसानों की जानकारी ली।

कलेक्टर श्री लंगेह ने निर्देश दिए कि अब धान खरीदी के लिए केवल 5 दिन शेष रह गए है।

जिले में धान खरीदी के लिए शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करना प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि शेष दिनों में मिशन मोड में कार्य करते हुए जिन किसानों की अब तक खरीदी नहीं हुई है, उन्हें व्यक्तिगत रूप से सूचना देकर निश्चित तिथि व समय स्लॉट निर्धारित किया जाए।

आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त श्रमिक व हमाल की अस्थायी व्यवस्था की जाए। केंद्रों पर जिला स्तरीय एवं सहकारी समिति के अधिकारी सतत निगरानी रखें तथा भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करें।

धान की गुणवत्ता संबंधी आपत्तियों का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया जाए, किसानों को

अनावश्यक रूप से प्रतीक्षा न कराई जाए। धान खरीदी से संबंधित ऑनलाइन एंट्री उसी दिन पूर्ण की जाए, किसी भी स्थिति में लंबित न रखी जाए। खरीदी समाप्ति के साथ ही तत्काल समापन रिपोर्ट, भौतिक सत्यापन एवं अभिलेख मिलान सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर कमीशन, अवैध वसूली या अनधिकृत रोक-टोक की शिकायत मिलने पर संबंधित के विरूद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने केंद्र पर उपस्थित किसानों से सीधे चर्चा कर कहा कि यदि किसी किसान को अंतिम दिनों में समस्या आती है तो उसकी तत्काल सुनवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि धान खरीदी का समापन पूरी पारदर्शिता, अनुशासन के साथ किया जाए।

उल्लेखनीय है कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में राज्य शासन के मंशानुरूप जिले में धान खरीदी का कार्य सुचारू रूप से जारी है। महासमुंद जिले में 21 जनवरी की स्थिति में 182 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से कुल 8 लाख 9 हजार 295 मीट्रिक टन धान की खरीदी किया जा चुका है। अब तक कुल 5 लाख 18 हजार 507 मीट्रिक टन धान का डी.ओ. जारी हो चुका है। जिसके विरूद्ध 2 लाख 97 हजार 466 मीट्रिक टन धान का उठाव कर लिया गया है। अब तक एक लाख 28 हजार 68 किसानों द्वारा धान का विक्रय कर लिया गया है, जो पंजीकृत किसानों की संख्या का 80 प्रतिशत हैं।

मेडिसिटी विकास की दिशा में बड़ी उपलब्धि

चार माह में जमीन लीज और रजिस्ट्री पूरी, 680 करोड़ की लागत से बनेगा 300 बिस्तरों का बॉम्बे हॉस्पिटल

रायपुर। नवा रायपुर को देश के प्रमुख हेल्थकेयर हब के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में नवा रायपुर स्थित मंत्रालय महानदी भवन में देश के प्रतिष्ठित बॉम्बे हॉस्पिटल एंड मेडिकल रिसर्च सेंटर और नवा रायपुर विकास प्राधिकरण के मध्य 15 एकड़ भूमि के लीज एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता नवा रायपुर में प्रस्तावित मेडिसिटी के विकास को नई गति देगा।

यह परियोजना न केवल राज्य के हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करेगी, बल्कि निवेश के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की तेज़ और भरोसेमंद प्रशासनिक कार्यप्रणाली का भी उदाहरण बनेगी। राज्य सरकार द्वारा 24 सितंबर 2025 को निवेश आमंत्रण जारी किए जाने के बाद मात्र चार माह के भीतर भूमि चिन्हांकन, आवश्यक स्वीकृतियां और रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी कर ली गई, जो अपने आप में एक नया बेंचमार्क है।

नवा रायपुर विकास प्राधिकरण द्वारा आबंटित 15 एकड़ भूमि पर बॉम्बे हॉस्पिटल ट्रस्ट द्वारा लगभग ?680 करोड़ की लागत से 300 बिस्तरों का अत्याधुनिक मल्टी सुपर-स्पेशलिटी हॉस्पिटल स्थापित किया जाएगा। यह अस्पताल ट्रस्ट का देश में चौथा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल होगा। इससे पूर्व मुंबई, इंदौर और जयपुर में ट्रस्ट के सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं।

बॉम्बे हॉस्पिटल के माध्यम से कार्डियक साइंसेज, कैंसर उपचार, न्यूरोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स, क्रिटिकल केयर, ऑर्गन ट्रांसप्लांट सहित कई उन्नत चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध होंगी। इसके प्रारंभ होने से छत्तीसगढ़ और आसपास के राज्यों के मरीजों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए मुंबई या दिल्ली जैसे महानगरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा।

इस परियोजना से 500 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है, जिनमें डॉक्टर, सर्जन, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ और मेडिकल टेक्नीशियन शामिल होंगे। इसके साथ ही हेल्थकेयर सप्लाई चेन, सेवाओं और सहयोगी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर अप्रत्यक्ष रोजगार भी उत्पन्न होंगे, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को उल्लेखनीय प्रोत्साहन मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर कहा कि बॉम्बे हॉस्पिटल की स्थापना से नवा रायपुर में मेडिसिटी का सपना साकार होने की दिशा में निर्णायक कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश के नागरिकों को अपने ही राज्य में विश्वस्तरीय सुपर स्पेशलिटी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी और युवाओं को गुणवत्तापूर्ण रोजगार के अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के निरंतर विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। बॉम्बे हॉस्पिटल जैसे प्रतिष्ठित संस्थान का नवा रायपुर में निवेश करना राज्य की नीतिगत स्थिरता, तेज़ निर्णय क्षमता और निवेशक-अनुकूल वातावरण पर विश्वास का प्रमाण है। यह परियोजना छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास नीति 2024क्व30 के अंतर्गत स्वास्थ्य जैसे रणनीतिक क्षेत्रों को दिए जा रहे विशेष प्रोत्साहनों और समयबद्ध क्रियान्वयन का प्रत्यक्ष परिणाम है। इससे नवा रायपुर को सेंट्रल इंडिया के प्रमुख हेल्थकेयर डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह, उद्योग विभाग के सचिव श्री रजत कुमार, आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव श्री अंकित आनंद, नवा रायपुर विकास प्राधिकरण के सीईओ श्री चंदन कुमार, बॉम्बे हॉस्पिटल ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं चेयरमैन श्री भरत तापड़िया, सचिव श्री श्याम जी सहित ट्रस्ट एवं शासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय पटल पर चमका छत्तीसगढ़, 'मॉडल यूथ ग्राम सभा' में ईएमआरएस कोसमबुड़ा ने हासिल किया प्रथम स्थान

रायपुर। छत्तीसगढ़ के लिए बड़े गौरव के क्षण में, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (श्वरूक्रू), कोसमबुड़ा ने अपनी तरह की पहली 'मॉडल यूथ ग्राम सभा' (रूङ्खत्स) प्रतियोगिता में राष्ट्रीय विजेता बनकर उभरने का गौरव प्राप्त किया है। पंचायती राज मंत्रालय आगामी 28 जनवरी 2026 को नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में छत्तीसगढ़ की इस विजेता टीम को औपचारिक रूप से सम्मानित करेगा। छत्तीसगढ़ की जनजातीय शिक्षा प्रणाली की बड़ी जीत देश भर के 800 से अधिक स्कूलों के प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए, ईएमआरएस कोसमबुड़ा के छात्रों ने ग्रामीण शासन की असाधारण समझ का प्रदर्शन किया। 30 अक्टूबर 2025 को जनजातीय कार्य मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य युवाओं को मॉक ग्राम सभा सत्रों के माध्यम से जमीनी समस्याओं के समाधान के लिए प्रेरित करना था। छत्तीसगढ़ का शीर्ष स्थान यह दर्शाता है कि राज्य ने अपनी जनजातीय आवासीय स्कूल प्रणाली के भीतर लोकतांत्रिक मूल्यों को कितनी मजबूती से आत्मसात किया है।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए ईएमआरएस कोसमबुड़ा के प्राचार्य, डॉ. कमलाकांत यादव ने कहा:卐मॉडल यूथ ग्राम सभा (रूङ्खत्स) पहल में हमारे विद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान मिलना हर्ष का विषय है। यह सफलता हमारे विद्यार्थियों के कड़े परिश्रम और ग्रामीण विकास से जुड़ी समस्याओं के प्रति उनकी गहरी समझ को दर्शाती है। पंचायती राज मंत्रालय और केंद्र सरकार की यह दूरदर्शी पहल छात्रों को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और सहभागी शासन से जोड़ने का एक प्रभावी मंच है। इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को जमीनी स्तर पर निर्णय लेने की प्रक्रिया को करीब से समझने का अवसर मिला है। हम आगामी 28 जनवरी को नई दिल्ली में होने वाले सम्मान समारोह में सहभागिता को लेकर उत्साहित हैं।

युवा सहभागिता के लिए दूरदर्शी पहल 'मॉडल यूथ ग्राम सभा' को 30 अक्टूबर 2025 को लॉन्च किया गया था। इस कार्यक्रम ने तीन महीने से भी कम समय में भारत के 800 से अधिक स्कूलों तक पहुँच बनाकर युवाओं में सहभागी शासन की संस्कृति को बढ़ावा दिया है। देश भर से शॉर्टलिस्ट की गई शीर्ष 6 टीमों में ईएमआरएस कोसमबुड़ा ने ग्राम सभा के संचालन में अनुशासन और स्थानीय समस्याओं के व्यावहारिक समाधान के लिए नए मानक स्थापित किए हैं।

28 जनवरी को होने वाला सम्मान समारोह लोकतंत्र के इन युवा राजदूतों की उपलब्धि का उत्सव मनाएगा, जो भविष्य के जिम्मेदार नागरिक तैयार करने की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर है।

नक्सल छाया के बीच उम्मीद की फसल

रायपुर। बस्तर जैसे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हो रहे सकारात्मक बदलाव को दर्शाता है, जहाँ अब गोलियों की गूँज की जगह ट्रैक्टरों की आवाज़ और फूलों-फलों की महक फैल रही है, क्योंकि किसान आधुनिक खेती और सरकारी योजनाओं से जुड़कर विकास की नई कहानी लिख रहे हैं, जिससे क्षेत्र में खुशहाली आ रही है। बस्तर संभाग के सुदूर वनांचल क्षेत्रों में अब गोलियों की गूँज नहीं, बल्कि खेतों में दौड़ते ट्रैक्टरों की आवाज़ विकास की नई इबारत लिख रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के 'नक्सल मुक्त बस्तर' (लक्ष्य: 31 मार्च 2026) के संकल्प और सुदृढ़ कृषि नीतियों का असर अब धरातल पर दिखने लगा है। सुकमा के ग्राम चिपुरपाल के किसान कोयना बघेल की कहानी इस बदलाव का जीवंत प्रमाण बन गई है।

48 घंटे में भुगतान: सुशासन का सीधा लाभ- छिंदगढ़ जनपद के किसान कोयना बघेल ने जैसे ही बिरसठपाल केंद्र में 50 क्विंटल धान बेचा, 3100 रुपया प्रति क्विंटल की दर से उनकी मेहनत की पूरी कमाई मात्र 48 घंटे के भीतर सीधे बैंक खाते में पहुँच गई। बिचौलियों की समाप्ति और समयबद्ध भुगतान ने किसान को इतना सशक्त बनाया कि उन्होंने अपनी जमा पूंजी से नया 'मैसी फर्गुसन' ट्रैक्टर ट्राली के साथ खरीद लिया।

हितग्राही श्री कोयना ने कहा कि धान खरीदी व्यवस्था बहुत अच्छी- हितग्राही श्री कोयना बघेल ने बताया कि शासन की 31 सौ रुपये में धान खरीदी व्यवस्था बहुत अच्छी है। इससे हम जैसे छोटे मध्यमवर्गीय किसानों को बहुत लाभ मिल रहा है। समर्थन मूल्य में धान खरीदी के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को दिल से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

बहुआयामी विकास: खेती भी और स्वरोजगार भी- यह बदलाव केवल खेती तक सीमित नहीं है। ट्रैक्टर से कृषि कार्य तेज़ हुए हैं, वहीं किसान पीएम आवास निर्माण में ईंट-बालू की आपूर्ति कर अतिरिक्त आय अर्जित कर रहे हैं। इससे राजूराम नाग जैसे किसान आर्थिक रूप से सशक्त होकर आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ रहे हैं।

किसान की सफलता पर कलेक्टर का भरोसा- सुकमा कलेक्टर श्री अमित कुमार ने कहा कि सुकमा जैसे नक्सल प्रभावित जिले में किसान की यह सफलता मेहनत, धैर्य और सरकारी योजनाओं के सही क्रियान्वयन का प्रमाण है। छत्तीसगढ सरकार किसानों को आधुनिक कृषि संसाधनों और योजनाओं से जोड़ने के लिए लगातार प्रयासरत है। जिला प्रशासन की प्राथमिकता है कि धान खरीदी केंद्रों पर किसानों को पारदर्शी व्यवस्था, समयबद्ध भुगतान और पूरी सुविधा मिले।

कलेक्टर के नेतृत्व में सुकमा प्रशासन ने धान खरीदी केंद्रों को 'सुविधा केंद्रों' में बदल दिया है। जीरो टॉलरेंस और पारदर्शिता के कारण किसानों को टोकन से लेकर भुगतान तक कहीं भटकना नहीं पड़ रहा है। कलेक्टर के अनुसार, शासन-प्रशासन और किसानों का समन्वय ही ज़मीनी बदलाव की असली चाबी है।

सुजल ग्राम संवाद के तृतीय चरण में ग्राम पंचायत साल्हेभाट ने किया छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व

रायपुर। जल जीवन मिशन, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित सुजल ग्राम संवाद के तृतीय चरण में छत्तीसगढ़ राज्य की ओर से कोंडागांव जिले के ग्राम पंचायत साल्हेभाट ने प्रतिनिधित्व किया। वी सी के माध्यम से आयोजित इस संवाद में छत्तीसगढ़ के साथ-साथ अरुणाचल प्रदेश, गोवा, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, दादर एवं नगर हवेली, दमन एवं दीव तथा लक्षद्वीप के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के मिशन संचालक द्वारा ग्राम पंचायत साल्हेभाट के प्रतिनिधियों से पेयजल की उपलब्धता, जल जीवन मिशन से ग्रामीणों के जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तनों, जल वहिनियों द्वारा एफ्टीके के माध्यम से जल परीक्षण एवं नमूना जांच की प्रक्रिया पर चर्चा की गई। इसके साथ ही ग्रामवासियों द्वारा पेयजल हेतु मासिक शुल्क निर्धारण, योजना के संचालन एवं संधारण की व्यवस्थाओं पर भी विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर जिला कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्टर कोंडागांव श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने जिले में जल जीवन मिशन की प्रगति की जानकारी दी तथा जल सेवा आकलन एवं जल अर्पण दिवस को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम के अंत में जेरेना/तक्रक्स्व द्वारा पेयजल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु तैयार की गई कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। वहीं, मिशन संचालक जल जीवन मिशन छत्तीसगढ़ शासन श्री जितेन्द्र शुक्ला ने राज्य स्तर पर योजना की प्रगति से अवगत कराया।

जागरूकता से आगे: जांच, जेनेटिक काउंसलिंग और नियमित फॉलो-अप से सिकल सेल देखभाल को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है

रायपुर: रायपुर, छत्तीसगढ़ में एक विशेष रूप से आयोजित आमंत्रित बैठक हुई, जिसमें सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ, डॉक्टर, शोधकर्ता, सिकल सेल रोग से जूझ रहे लोग, नवाचारकर्ता और स्टार्टअप्स शामिल हुए। यह बैठक ब्लॉकचेन फॉर इम्पैक्ट (बीएफ्आई) नाम की एक परोपकारी संस्था द्वारा आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य सिकल सेल रोग की जांच और इलाज की व्यवस्था को बेहतर बनाना और राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत बड़े पैमाने पर जांच कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने पर चर्चा करना था। इस दौरान सभी पक्षों ने मिलकर सिकल सेल रोग की देखभाल को मजबूत करने और ज्यादा से ज्यादा लोगों तक समय पर जांच और इलाज पहुंचाने के तरीकों पर विचार साझा किए।

इस बैठक में कई प्रमुख हितधारक उपस्थित रहे। इनमें डॉ. सुरेन्द्र के. पामभोई, उप निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM), छत्तीसगढ़; डॉ. निधि ग्वालरे, नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) छत्तीसगढ़; प्रो. डॉ. एली महापात्रा, अध्यक्ष, सिकल सेल समिति, एम्स रायपुर; डॉ. जयंती चंद्राकर, महानिदेशक, सिकल सेल संस्थान छत्तीसगढ़; और डॉ. पूजा अग्रवाल, कार्यक्रम निदेशक, ब्लॉकचेन फॉर इम्पैक्ट (बीएफ्आई) शामिल थीं। इस बैठक के माध्यम से ब्लॉकचेन फॉर इम्पैक्ट (बीएफ्आई) ने विज्ञान आधारित नवाचारों पर काम कर रहे विशेषज्ञों, डॉक्टरों, सिकल सेल रोग से जूझ रहे लोगों, कार्यक्रमों को लागू करने वाले अधिकारियों और जमीनी स्तर पर काम करने वाले विशेषज्ञों को एक साझा मंच पर एक साथ लाया। इससे नवाचार और जमीनी हकीकत के बीच दो-तरफा संवाद संभव हो सका। मरीजों और सिकल सेल वॉरियर्स ने अपनी रोजमर्रा की उन समस्याओं को साझा किया, जो अक्सर प्रयोगशालाओं या छोटे पायलट प्रोजेक्ट्स में नजर नहीं आतीं। वहीं, नवाचारकर्ताओं ने जांच और इलाज से जुड़ी नई तकनीकों के बारे में जानकारी दी। इस सीधे संवाद से यह सुनिश्चित करने में मदद मिली कि वैज्ञानिक नवाचार वास्तविक जरूरतों के अनुरूप, उपयोगी और प्रभावी हों, खासकर उन क्षेत्रों में जहां स्वास्थ्य सेवाओं की सबसे ज्यादा कमी है। बैठक में यह बात भी सामने आई कि विज्ञान तभी समाज के लिए सार्थक बनता है, जब उसे उन समुदायों की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया जाए, जिनके हित के लिए वह बनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में अब तक 1.65 करोड़ से अधिक लोगों की सिकल सेल जांच की जा चुकी है। इसमें 3.35 लाख से ज्यादा लोग सिकल सेल के वाहक (कैरीयर) पाए गए हैं, जबकि 27,135 लोग इस बीमारी से पीड़ित पाए गए हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि राज्य ने तेजी से बड़े पैमाने पर जांच कर एक मजबूत आधार तैयार कर लिया है। अब अगले चरण में असली असर तब दिखेगा, जब पुष्टि करने वाली जांच, समय पर इलाज, आनुवंशिक परामर्श (जेनेटिक काउंसलिंग) और लगातार फॉलो-अप की व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा।

बैठक में स्वास्थ्य प्रणाली से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। इनमें रेफरल व्यवस्था को मजबूत करना, जेनेटिक काउंसलिंग सेवाओं का विस्तार और लंबे समय तक नियमित फॉलो-अप सुनिश्चित करना शामिल था। प्रतिभागियों ने इस बात पर जोर दिया कि सिकल सेल जांच कार्यक्रमों को जिला और उप-जिला स्तर पर नियमित स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ा जाना चाहिए, ताकि मरीजों को समय पर और निरंतर देखभाल मिल सके।

संक्षिप्त समाचार

किसान फूल सिंह को मिली डिजिटल धान खरीदी से राहत, ऑफलाइन टोकन पर भी रहा सुचारू अनुभव

रायपुर। खरीफविपणन वर्ष 2025-26 में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा लागू की गई पारदर्शी एवं तकनीक आधारित डिजिटल धान खरीदी व्यवस्था किसानों के लिए भरोसे और सुविधा का मजबूत आधार बनकर सामने आई है। इस व्यवस्था की जमीनी सफलता का सशक्त उदाहरण ग्राम धनपुर निवासी किसान फूल सिंह की कहानी है किसान फूल सिंह ने रतनपुर उपार्जन केंद्र में कुल 110 क्विंटल धान का सफल विक्रय किया। शासन द्वारा निर्धारित 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य तथा प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक खरीदी की नीति के अंतर्गत उन्हें उनकी पूरी उपज का उचित एवं लाभकारी मूल्य प्राप्त हुआ। उल्लेखनीय है कि किसान फूल सिंह का टोकन ऑफलाइन जारी किया गया था, इसके बावजूद वे निर्धारित तिथि पर उपार्जन केंद्र पहुंचे और बिना किसी परेशानी के उनकी धान विक्रय प्रक्रिया पूरी हुई। इससे यह स्पष्ट होता है कि डिजिटल व्यवस्था के साथ-साथ ऑफलाइन किसानों के लिए भी प्रभावी वैकल्पिक प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। उपार्जन केंद्र में बैठने की समुचित व्यवस्था, पेयजल सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध थीं। धान की तौल डिजिटल कांटे से सटीक एवं पारदर्शी रूप से की गई, जिससे पूरी प्रक्रिया में विश्वास बना रहा। भुगतान व्यवस्था भी सुव्यवस्थित रही और किसी प्रकार की भीड़ या देरी का सामना नहीं करना पड़ा। किसान फूल सिंह का कहना है कि पूर्व वर्षों में धान विक्रय के दौरान असमंजस और विलंब होता था, लेकिन इस वर्ष की तकनीक आधारित व्यवस्था से उन्हें बड़ी राहत मिली है। यह सफलता की कहानी दर्शाती है कि छत्तीसगढ़ में लागू डिजिटल एवं पारदर्शी धान खरीदी व्यवस्था किसानों के जीवन में सुविधा, स्थिरता और विश्वास का नया अध्याय जोड़ रही है।

नाबालिग दुष्कर्म मामले में सख्त कार्रवाई, आरोपी के घर पर चला निगम का बुलडोजर

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी अब्दुल सज्जाद अंसारी के खिलाफ बुधवार सुबह बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की गई। नगर निगम ने राजा तालाब स्थित झंडा चौक इलाके में आरोपी के मकान को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई पूर्व में दिए गए नोटिस के बाद की गई, जिसमें मकान से जुड़े दस्तावेज सात दिनों के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। बुधवार सुबह हुई इस कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल, प्रशासनिक अधिकारी और स्थानीय पार्षद मौके पर मौजूद रहे। पार्षद कैलाश बेहरा ने कहा कि ऐसे गंभीर अपराधों में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जरूरी है। उन्होंने बताया कि इलाके के लोगों में घटना को लेकर भारी आक्रोश है और भविष्य में भी इस तरह की घटनाओं पर सख्त रुख अपनाया जाएगा। बताया गया कि कुछ दिन पहले रायपुर की महापौर मीनल चौबे क्षेत्र के दौरे पर आई थीं। उन्होंने आरोपी की दुकान और मकान पर कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश दिए थे, जिसके बाद नगर निगम ने यह कदम उठाया। जानकारी के अनुसार, आरोपी सिविल लाइन थाना क्षेत्र में एक दुकान चलाता था, जहां वह चूड़ियां, चॉकलेट और अन्य सामान बेचता था। आरोप है कि इसी बहाने वह एक 9 वर्षीय बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाता था और 7 जनवरी से 11 जनवरी के बीच कई बार उसके साथ अपराध को अंजाम दिया। फिलहाल आरोपी पुलिस हिरासत में है और मामले की जांच जारी है। प्रशासन का कहना है कि कानून के तहत आगे भी सख्त कदम उठाए जाएंगे, ताकि इस तरह के अपराधों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

ज़ेनिथ ब्लैक एडिशन के लॉन्च

भारत के प्रीमियम व्हिस्की सेगमेंट में अग्रणी ब्रांड ब्लेंडर्स प्राइड ने ब्लेंडर्स प्राइड ज़ेनिथ ब्लैक एडिशन के लॉन्च की घोषणा की है। यह एक लिमिटेड-एडिशन पेशकश है, जो बोल्ड ब्लैक सौंदर्य को ब्लेंडर्स प्राइड के आइकॉनिक ब्लेंड के साथ जोड़कर एक वास्तव में विशिष्ट अनुभव प्रस्तुत करती है। पर्नोड रिकार्ड इंडिया की सीएमओ, देबाश्री दासगुप्ता ने कहा, ब्लेंडर्स प्राइड भारत में प्रीमियम व्हिस्की के मानकों को लगातार नया रूप देता रहा है। ज़ेनिथ ब्लैक एडिशन का लॉन्च ब्रांड का अब तक का सबसे रिफाइंड एक्सप्रेशन है—एक ऐसा इवोल्युशन जो इसकी स्थायी विरासत को एक बोल्ड नई डिज़ाइन लैंग्वेज में बदलता है। इस वर्ष, ब्लेंडर्स प्राइड अपने मूल मूल्यों को एक ऐसे सौंदर्य के माध्यम से जीवंत कर रहा है जो आकांक्षा, विशिष्टता और कारीगरी का उत्सव मनाता है। केवल दस लाख बोतलों तक सीमित ज़ेनिथ ब्लैक एडिशन उन व्यक्तियों के लिए बनाया गया है जो केवल उत्कृष्टता की प्रशंसा नहीं करते—वे उसे जीते हैं।

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR
e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

(1st Call)

NIT NO:- 121 RAIPUR DATED:- 22-01-2026

Online bids are invited for the following works up to 12.02.2026 at 17:30 hours

Sr. No.	System Tender No.	Name of work/Description of work	Probable amount of contact
01	184264	मौलाना अब्दुल रउफ वार्ड क्र. 45 में शिव मंदिर के पीछे भवन निर्माण कार्य। (विधायक निधि)	10.00 Lakh

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal **https://eproc.costate.gov.in** from 19.01.2026, 17.30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal NIT Deatails and other documents.

NOTE: -
1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for anyattar focation of their doubts regarding the process of Electronic **Help Desk at Toll Free No.** 18004199140 **or through Email ID Procurement System. helpdesk.eproc@cgswan.gov.in**

घरों से निकलने वाले सूखा और गिला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

ZONE COMMISSONER
ZONE 04
MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)

संपादकीय

गंभीर आर्थिक चुनौतियां

सरकार ने विपक्ष से संवाद करते हुए राष्ट्र को भरोसे में लिया होता, तो संभवत: चीनी कंपनियों के लिए भारत के दरवाजे खोलने के मुद्दे पर उसे आलोचना नहीं झेलनी पड़ती। बहरहाल, सरकार चाहे तो अब भी यह रास्ता अपना सकती है। हालांकि पुष्टि नहीं हुई है, मगर मीडिया में छपी कई ऐसी रिपोर्टों से देश में व्यग्रता देखी गई है कि केंद्र भारतीय बाजार को चीनी कंपनियों के लिए खोलने जा रहा है। कुछ खबरों के मुताबिक जिन क्षेत्रों को खोला जाएगा, उनमें सरकारी ठेके भी हैं। सरकारी क्षेत्र के ठेके हर वर्ष 700-750 बिलियन डॉलर के होते हैं। यह एक बड़ा बाजार है। कुछ अन्य खबरों में बताया गया है कि सरकार जरूरत के हिसाब से कदम उठाएगी और यह सुनिश्चित करेगी कि उसी अनुपात में चीन भी भारतीय उत्पादों के लिए अपना बाजार खोले। बहरहाल, यह मामला सिर्फ व्यापारिक नहीं है। इसीलिए कई हलकों से इन खबरों पर उग्र प्रतिक्रिया हुई है। कांग्रेस ने तो इसे गलवाल घाटी के शहीदों का अपमान बताया है। मुमकिन है कि ऐसी प्रतिक्रियाओं के पीछे सियासी मकसद भी हों, लेकिन भारत में मौजूद भावनाओं के मद्देनजर उन्हें बिल्कुल दरकिनार नहीं किया जा सकता। आखिर खुद नरेंद्र मोदी सरकार ने चीन कंपनियों पर प्रतिबंध अप्रैल 2020 के बाद से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बढ़े तनाव की पृष्ठभूमि में उठाया था। तब से चीन से कारोबार के प्रश्न को सत्ताधारी पार्टी और उसके समर्थकों ने भारतीय की राष्ट्रवादी भावनाओं से जोड़ा था। तब से भारत में दो तरह की धारणाएं रही हैं। एक राय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस घोषणा पर आधारित है कि 'भारत की सीमा में ना तो कोई घुसा और ना किसी ने भारत की जमीन पर कब्जा किया है'। दूसरी राय उन खबरों पर आधारित है, जिनमें लगातार बताया गया है कि चीनी फौज लद्दाख क्षेत्र में भारतीय इलाकों में घुसी और वहां बफर जोन बनवा कर वापस लौटी। यानी भारत की पहुंच से बड़ा इलाका निकल गया। मोदी सरकार ने इस बारे में विपक्ष से संवाद करते हुए राष्ट्र को भरोसे में लिया होता, तो संभवत: चीनी कंपनियों के लिए भारत के दरवाजे खोलने के मुद्दे पर उसे आलोचना नहीं झेलनी पड़ती। बहरहाल, अब सरकार चाहे तो यह रास्ता अपना सकती है। बेहतर होगा अगर वह आज की गंभीर आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर इस कदम की जरूरत पर राष्ट्रीय आम सहमति तैयार करे।

विकास के नाम पर सिर्फ बढ़ता प्रदूषण

हरिशंकर व्यास

एक पुरानी कहावत है, 'खाया पिया कुछ नहीं गिलास फोड़ा बारह आना।' प्रदूषण के मामले में वही हाल भारत का है। लंदन से लेकर बीजिंग तक दुनिया भर के देशों की राजधानियों और दूसरे शहरों में एक समय प्रदूषण का साया रहा लेकिन वह इसलिए रहा क्योंकि उन देशों और शहरों में औद्योगिक विकास हो रहा था। लंदन में प्रदूषण का संकट पहली औद्योगिक क्रांति के बाई प्रोडक्ट की तरह आया। बाद में इन शहरों ने प्रदूषण दूर भी कर लिया। लेकिन भारत में कोई औद्योगिकीरण नहीं हुआ लेकिन प्रदूषण चौतरफा फैल गया। अगर उद्योग धंधे लगते, औद्योगिक विकास हो रहा होता, चीन की तरह भारत दुनिया की फैक्टरी बन रहा होता, लोगों की आमदनी बढ़ रही होती और उसी अनुपात में बुनियादी सुविधाओं का विकास हो रहा होता तो हवा के प्रदूषण को समझा जा सकता था। माना जाता है कि देश विकास कर रहा है इसलिए प्रदूषण की समस्या बढ़ रही है। और तब यकीन भी होता कि एक दिन भारत प्रदूषण की समस्या से निजात पा जाएगा।

लेकिन भारत में प्रदूषण की समस्या विकास का बाई प्रोडक्ट नहीं है, बल्कि अव्यवस्था का मुख्य उत्पाद है। भारत में अगर ठीक से सफाई हो जाए तो प्रदूषण की समस्या 20 फीसदी कम हो जाएगी। इसके लिए सड़कों पर सफाई और कचरा उठाने का बंदोबस्त करना होगा। लेकिन वह भी नहीं हो पाता है। स्थानीय प्राधिकरण सफाई नहीं करा पाता है और उलटे अनियमित निर्माण की अनुमति देता है, जिसकी कोई निगरानी नहीं होती है। देश में योजनाबद्ध तरीके से बसे शहरों की गिनती की जाए तो संख्या दो अंकों में नहीं पहुंचेगी। बाकी ऐसे ही गांवों, कस्बों में या सड़कों के किनारे शहर उग आए हैं या शहर फैल कर गांवों और कस्बों तक पहुंच गए हैं, जहां शहर की कोई व्यवस्था नहीं है। चारों तरफ बेतरतीब तरीके से निर्माण हो रहा है। नदियों और तालाबों को भर कर मकान और दुकान बनाए जा रहे हैं। इसी तरह बेहिसाब गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन हो रहे हैं। शहरों में फैली गंदगी और गाड़ियों का धुआं प्रदूषण का मुख्य कारण है।

पिछले दिनों केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने स्वीकार किया कि देश के प्रदूषण में बड़ा योगदान गाड़ियों का है। लेकिन वे क्या कर सकते हैं? सरकार इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर सब्सिडी दे रही है लेकिन पेट्रोल व डीजल की गाड़ियां ज्यादा सस्ती हैं तो लोग उसे खरीद रहे हैं। दोनों तरह की गाड़ियों की संख्या बढ़ती जा रही है। गाड़ियों के चलने के लिए सड़क नहीं है और न ट्रैफिक मैनेजमेंट का कोई उपाय है। हर साल सर्दियों में कहा जाता है कि अगर ट्रैफिक रेगुलेट कर दिया जाए और जाम लगना कम हो जाए तो प्रदूषण में कितनी कमी आ सकती है। लेकिन हर साल सर्दियों के साथ जाम भी बढ़ता जाता है और प्रदूषण भी बढ़ता जाता है।

राजधानी दिल्ली या वित्तीय राजधानी मुंबई की बात समझ में भी आती है लेकिन बिहार के बेगूसराय या मुजफ्फरपुर में प्रदूषण का कोई कारण नहीं है। ये शहर हर साल देश के सबसे प्रदूषित शहरों में जगह पाते हैं। सरकार टियर टू और टियर थ्री के शहरों का विकास करने की बात करती है लेकिन विकास के नाम पर सिर्फ ट्रैफिक बढ़ता है और प्रदूषण बढ़ता है। बिहार में बिना उद्योग लगे हर शहर में औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई तीन सौ से ऊपर रहता है। सरकार मान चुकी है कि इस समस्या का कोई समाधान नहीं है। और लोग भी सर्दियों के बाद भूल जाते हैं।

क्या हिंदुओं की जातीय मानसिकता को बदल पाएंगे संघ प्रमुख मोहन भागवत?

कमलेश पांडेय

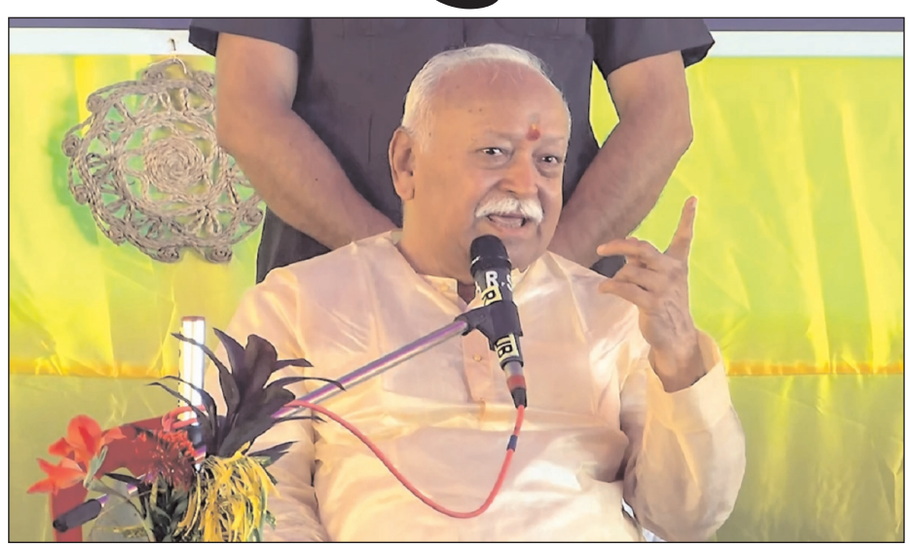

प्राचीनकाल में मनुस्मृति से लेकर आधुनिक काल के संविधान तक हिंदू समुदाय में जिस जातिवाद को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में बढ़ावा दिया गया, वह अब दुनिया के तीसरे बड़े धर्म सनातन (हिन्दू) के लिए अभिशाप साबित हो रहा है। जिस तरह से सियासी गोलबंदी के लिए जातिवाद को हवा दी जा रही है, वह किसी लोकतांत्रिक कलंक से कम नहीं है। अब तो प्रशासनिक और न्यायिक निर्णय भी इसे हवा देते प्रतीत हो रहे हैं।

मसलन, इससे निरंतर कमजोर हो रहे हिन्दू समाज की एकजुटता के दृष्टिगत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत की चिंता स्वाभाविक है। यह उन जैसे सैकड़ों मशहूर लोगों के लिए भी सार्वजनिक चिंता का विषय रहा है। लेकिन हमारी संसद और सरकार के लिए यह कोई मुद्दा नहीं है क्योंकि जातिवादी खिलौने से मतदाताओं को फुसलाने के संवैधानिक तरकीब उसने विकसित कर लिए हैं और आधिकारिक निर्णयों में भी इसका भौंडा प्रदर्शन दिखाई दे जाता है।

बता दें कि विगत 18 जनवरी 2026 को छत्रपति संभाजीनगर में संघ सरचालक मोहन भागवत ने कहा कि जातिगत भेदभाव समाप्त करने के लिए जाति को मन से मिटाना होगा, जो ईमानदारी से करने पर 10-12 वर्षों में संभव है। एक तरह से उनका यह बयान जातिवाद की गहरी जड़ों को देखते हुए आशावादी तो लगता है, लेकिन इसकी व्यवहारिकता पर सवाल उठते हैं क्योंकि जाति भारत की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक संरचना में गहराई से बसी हुई है। अब तो संविधान से लेकर जनगणना तक इसने घुसपैठ कर ली है। इसलिए जब तक सत्ता प्रतिष्ठान को सद्बुद्धि नहीं आएगी, तबतक जाति मुक्त भारत या हिन्दू समाज की परिकल्पना बेमानी प्रतीत होती है। इसलिए यक्ष प्रश्न पुन: समुपस्थित है कि क्या हिंदुओं की जातीय मानसिकता को बदल पाएंगे संघ प्रमुख मोहन भागवत? क्या जाति आधारित आरक्षण सम्बन्धी सोच को बदल पाएंगे मोहन भागवत? क्योंकि जबतक ऐसा नहीं होगा, उनकी तमाम कोशिशें नाकाफी प्रतीत होंगी!

फ्लिवक्त मोहन भागवत ने बताया कि जाति मूल रूप से पेशे से जुड़ी थी, लेकिन बाद में भेदभाव का कारण बनी। उन्होंने जोर दिया कि कानून या घोषणाओं से नहीं, बल्कि मानसिकता बदलने से यह जटिल समस्या हल होगी। देखा जाए तो यह युगांतरकारी विचार पहले भी व्यक्त किया गया है, जैसे 2023 में जाति को 'पंडितों की देन' उन्होंने ही बताया था, लेकिन नेताओं और नौकरशाहों की संवैधानिक हठधर्मिता शायद उन्होंने विस्मृत कर डाली, ताकि आरक्षणवादी कोहराम न मचाएं।

कहना न होगा कि जातिवाद मुक्त भारत और हिन्दू समाज की राह में कई व्यवहारिक चुनौतियाँ भी हैं क्योंकि जातिवाद ग्रामीण रोजगार, विवाह और राजनीति में प्रबल है, जहां आरक्षण और वोट बैंक इसे बनाए रखते हैं। भले ही प्रतिक्रियाओं में इसे 'चुनावी जुमला' कहा गया, क्योंकि ऐसे बयान कार्रवाई में नहीं बदलते। यही वजह है कि सामाजिक सुधारों के बावजूद, अंतरजातीय विवाह कम हैं और भेदभाव जारी है।

यह ठीक है कि इस दिशा में जारी ईमानदार प्रयास से जागरूकता बढ़ सकती है, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति और कानूनी सख्ती के बिना 10-12 वर्षों का लक्ष्य अवास्तविक लगता है। फिर भी यदि यह पुनीत सपना साकार होता है तो इससे नागरिक समाज, शिक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण में सहायता मिल सकती है। वहीं नागरिक समाज, शिक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण से ही यह पवित्र सपना साकार होगा। देखा जाए तो आरएसएस ने जातिवाद समाप्ति के लिए लंबे समय से सामाजिक समरसता व सामाजिक सद्भाव को प्रमुख लक्ष्य बनाया है, जिसमें जागरूकता अभियान, गांव-स्तरीय प्रयास और शाखाओं के माध्यम से कार्यकर्ताओं को प्रेरित करना शामिल है। हालांकि, आलोचक इसे सतही मानते हैं क्योंकि संगठन की आंतरिक संरचना और ऐतिहासिक रुख में जातिगत प्रभाव दिखता रहा है।

बावजूद इसके, आरएसएस ने 2023 से सामाजिक समरसता परियोजना शुरू की, जिसमें 13,000+ गांवों में कुओं, श्मशानों और मंदिरों में दलित प्रवेश पर रोक हटाने का सर्वे और जागरूकता अभियान चलाया। वहीं संघ शाखाओं (95,000+) के जरिए कार्यकर्ता गांवों, स्कूलों और मंदिरों में जाकर छुआछूत विरोधी संदेश फैलाते हैं, साथ में सामूहिक भोज के द्वारा भोजन करते हैं और सामूहिक विवाह को बढ़ावा देते हैं।

यही वजह है कि बिहार, हरियाणा, उड़ीसा, महाराष्ट्र जैसे चुनावों में हिंदू वोटों को जाति से ऊपर उठाने में संघ की उपर्युक्त पहल सहायक साबित हुई, जिससे भाजपा को प्रत्यक्ष लाभ हुआ। साथ ही शाखाओं में जाति-निरपेक्षता का वातावरण स्थापित हुआ। यही नहीं, संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठकों में भी इसे प्राथमिकता दी गई, जैसे 2024 के आम चुनावों तक इस विषयक अभियान चलाने का फैसला संपन्न हुआ।

वहीं, संगठन के भीतर जारी आंतरिक प्रयास के तहत संघ की शाखाओं में जाति को नजरअंदाज कर सभी हिंदू एक परिवार का सिद्धांत अपनाया जाता है, जिसकी शुरुआत संस्थापक हेडगेवार ने की थी। वहीं, संवैधानिक आरक्षण पर भी समर्थन जताया गया है, ताकि दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों आदि का भरोसा आरएसएस में मजबूत हो। हालांकि हालिया बयानों में इसे जातिवाद बढ़ाने वाला भी कहा गया। साथ ही साल 2024 में जाति जनगणना का संघ ने समर्थन किया गया ताकि योजनाएं बेहतर हों, बशर्ते राजनीतिक दुरुपयोग न हो।

कहना न होगा कि आरएसएस के इन सदाशयी प्रयासों के बावजूद, उस पर ब्राह्मण वर्चस्व और आरक्षण विरोध के पुराने आरोप लगते रहे हैं। आरएसएस के जातिवाद विरोधी प्रयासों पर कई गंभीर आलोचनाएं भी आई हैं, जो मुख्य रूप से इनके प्रचारात्मक, असंगठित और हिंदू एकता को प्राथमिकता देने वाले स्वरूप पर केंद्रित हैं। जिसके चलते आलोचक इन्हें सतही बताते हैं क्योंकि संगठन ने जाति व्यवस्था को जड़ से चुनौती नहीं दी।

अक्सर सवाल उठाया जाता है कि विगत 100 वर्षों में कोई प्रमुख दलित या आदिवासी संघ सरसंघचालक नहीं बना, जिससे आंतरिक ब्राह्मण वर्चस्व के आरोप बने हुए हैं। वहीं, आरक्षण पर अस्पष्ट रुख और जाति जनगणना को राजनीतिक दुरुपयोग रोकने की शर्त रखना आलोचना का कारण बना। वहीं छुआछूत जैसी प्रथाएं ग्रामीण भारत में बनी हुई हैं।

अलबत्ता, मोहन भागवत जैसे नेताओं के बयान सकारात्मक हैं, लेकिन व्यावहारिक बदलाव सीमित दिखते हैं क्योंकि जाति राजनीति में गहरी पैठ रखती है। भले ही भागवत के समग्र मूल्यांकन प्रयासों से जनजागरूकता बढ़ी, लेकिन जाति राजनीति और सामाजिक जड़ों को तोड़ने में ये पहल अपर्याप्त साबित हुए। ऐसा इसलिए कि गहरे बदलाव के लिए राजनीतिक समर्थन और कानूनी सख्ती की स्पष्ट कमी रही।

यही वजह है कि आरएसएस के जातिवाद विरोधी प्रयासों में सीमित सफलता मिली है, जो मुख्यत: जागरूकता और कुछ स्थानीय स्तर के बदलावों तक सीमित रहकर, जबकि व्यापक सामाजिक परिवर्तन में असफलता दिखती है। आलोचकों के अनुसार, ये प्रयास हिंदू एकता को मजबूत करने के लिए प्रतीत होते हैं, न कि जाति व्यवस्था को जड़ से समाप्त करने के लिए। जहां तक आरएसएस की ऐतिहासिक और वैचारिक कमियों की बात है तो संघ ने कभी जाति-विनाश का आंदोलन नहीं चलाया, और वर्ण व्यवस्था पर अमूमन मौन रहा, जो तार्किकता वश स्वाभाविक बात है। वहीं, आरक्षण विरोधी भागवत के पुराने बयानों से दलित-बहुजन असंतुष्ट हैं, और उनके प्रयासों को छुआछूत रोकने तक सीमित माना जाता है। इतना ही नहीं, आरएसएस की समरसता सम्बन्धी अभियानों को सतही तक कहा जाता है क्योंकि ये जाति व्यवस्था की जड़ों पर प्रहार करने के बजाय छुआछूत जैसे सतही लक्षणों को ही लक्षित करते हैं, जबकि वर्णाश्रम धर्म को अप्रत्यक्ष रूप से बनाए रखते हैं। यही वजह है कि आरएसएस के दलित-ओबीसी आलोचक इन्हें हिंदू एकता मजबूत करने का प्रचार माध्यम मानते हैं, न कि सच्चे सामाजिक न्याय का उपकरण। खासकर वर्ण व्यवस्था पर मौन अभियान अस्पृश्यता विरोधी दिखते हैं, लेकिन जन्म-आधारित जाति और वर्ण प्रथा को चुनौती नहीं देते, जो भेदभाव की मूल जड़ है। यह ठीक है कि आरएसएस विचारक दत्तोपंत ठेंगड़ी जैसे नेताओं ने समरसता को हिंदू संगठन की पूर्वशर्त बनाया, जबकि कांशीराम जैसे दलित नेताओं को उन्होंने बाधक कहा। उधर, आरएसएस के पूर्व सदस्यों ने भी शाखाओं में जातिगत भेदभाव का खुलासा किया है। पूर्व कारसेवक भंवर मेघवंशी जैसे लोगों ने भी शाखाओं में जातिगत भेदभाव का अनुभव किया। जिससे दशकों बाद भी कोई व्यापक सामाजिक परिवर्तन नहीं दिखा; और 99 वर्षों में भी शीर्ष दलित नेता का अभाव सतहीपन दर्शाता है। लिहाजा, आरएसएस के सामाजिक समरसता अभियानों को विपक्षी ताकतों के खिलाफ हिंदू एकता मजबूत करने का हथियार माना जाता है, न कि वास्तविक सामाजिक न्याय का।

रूस-चीन की दिलचस्पी सैनिक कार्रवाई रही नहीं

उमेश चतुर्वेदी

साल 2026 के तीसरे ही दिन अमेरिका ने जिस तरह वेनेजुएला के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की, उसके बाद से विशेषकर सैनिक रूप से कमजोर देशों में चिंता की लहर है। चाहे अमेरिकी खेमे में हो या फिर अमेरिका विरोधी खेमे में, हर देश आशंकित हो उठा है। अमेरिका के सर्वोच्च पद पर डोनॉल्ड ट्रंप के रहते ऐसी चिंताएं स्वाभाविक भी हैं। जिस तरह अपने ही खेमे के देश डेनमार्क के ग्रीनलैंड द्वीप पर ट्रंप ने अपनी नजर टिका रखी है, उससे दुनिया को चिंतित होना ही चाहिए। ऐसे में विश्व की निगाह दुनिया के सैनिक रूप से दूसरे शक्तिशाली देश रूस और आर्थिक रूप से दूसरे और सैनिक रूप से तीसरे ताकतवर देश चीन पर लगना स्वाभाविक है। लेकिन दोनों ही देशों ने वेनेजुएला पर जिस तरह रस्मी प्रतिक्रिया जताई है, उससे लगता नहीं कि वे भविष्य में ऐसी अमेरिकी कार्रवाइयों के खिलाफ अपने मित्र देशों के पक्ष में खड़े होने आएंगे।

पिछली सदी के आखिरी दशक तक, जब तक सोवियत संघ अस्तित्व में रहा, कम से कम दुनिया के कमजोर और साधनहीन देशों को उम्मीद रहती थी कि अगर अमेरिका ने उनकी ओर आंख तरेरी तो सोवियत संघ का साथ मिलेगा और अगर सोवियत संघ ने निगाहें तीखी कीं तो अमेरिका उसकी मदद करने पहुंचेगा। सोवियत संघ के विघटन के बाद उसका सबसे बड़ा हिस्सा रूस शक्तिशाली तो बना रहा है, लेकिन मौजूदा अमेरिका-ब्रिटेन प्रेरित-पोषित आर्थिक दुनिया में सोवियत संघ जैसी ताकत बना नहीं रह सका। सोवियत संघ के वजूद में रहते तक विश्व में खुलेतौर पर दो दुनिया थी और दो मुद्राओं का जोर भी था। बेशक डॉलर, सोवियत और आज के रूस की मुद्रा रूबल की तुलना में ताकतवर था, लेकिन ऐसा भी नहीं था कि आर्थिक रूप से पूरी दुनिया को नियंत्रित कर सके। लेकिन आज आर्थिक क्षेत्र में डॉलर को कोई चुनौती नहीं है। ब्रिक्स देशों ने अपनी-अपनी मुद्राओं को आपसी आर्थिक व्यवहार में आगे बढ़ाने की कोशिश तो की है, हालांकि वह डॉलर को चुनौती देने की स्थिति में नहीं आ पाई हैं। अमेरिका जानता है कि उसकी आर्थिक ताकत को बड़े स्तर पर चुनौती देने की हालत में दुनिया की दूसरी यानी चीन की अर्थव्यवस्था नहीं है, इसलिए ट्रंप बेफिक्र होकर कभी मैक्सिको को अपना उपनिवेश बनाने की वकालत करते हैं तो कभी कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने का ऐलान करते हैं। ग्रीनलैंड पर निगाह और वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई उनकी इसी सोच का विस्तार है।

वेनेजुएला पर कार्रवाई को लेकर रूस और चीन ने चिंताएं तो जाहिर कीं, लेकिन वे वेनेजुएला को सैनिक सहयोग करने के लिए इच्छुक नहीं दिखे। इसकी मोटे तौर पर दो वजहें सामने आती हैं। वेनेजुएला से रूस ने 2010 में समझौता तो किया, लेकिन वह रणनीतिक, तकनीकी और आर्थिक मामलों पर केंद्रित है। सैनिक सहयोग की बात उसमें नहीं है। दिलचस्प यह है कि वेनेजुएला के विशाल तेल भंडार का सबसे ज्यादा फायदा उठाने वाला चीन भी इस मामले में उसको सैनिक सहयोग करने से दूर है। वेनेजुएला के तेल निर्यात का 50 से 89 प्रतिशत तक हिस्सा सिर्फ चीन जाता था। मोटे तौर पर चीन रोजाना वेनेजुएला से चार लाख बैरल से लेकर छह लाख साठ हजार बैरल तेल आयात कर रहा था। इसके बावजूद वह वेनेजुएला को सैनिक सहायता देने से हिचक रहा है।

चीन की स्थिति यह है कि वह एशिया में अपनी सैन्य ताकत का गाहे-बगाहे मुजाहिरा तो करता है, लेकिन वह सुदूर दक्षिणी अमेरिकी या अफ्रीकी महाद्वीप के देशों में ऐसा करने से हिचक रहा है। इसकी वजह यह है कि चीन की नीतियां कम से कम एशिया से बाहर सिर्फ और सिर्फ आर्थिक मुद्दों पर ही टिकी हैं। पारंपरिक भारतीय शब्दावली में कह सकते हैं कि चीन बनिया बन चुका है। यानी उसका पूरा ध्यान आर्थिक लाभ और हानि पर है। फिर ट्रंप काल में अमेरिका से कारोबारी मुद्दे पर उसकी ठनी हुई है। जिसे वह सहज करने की कोशिश में है। इसलिए वह कोई ऐसा कदम नहीं उठाना चाहता, जिससे ट्रंप नाराज हों और अमेरिका से उसके कारोबारी रिश्तों पर असर पड़े। चीन की पूरी कोशिश अमेरिका से जारी व्यापार युद्ध को खत्म करे और आर्थिक मोर्चे पर अपनी ताकत बढ़ाए। उसकी कोशिश किसी तरह अमेरिका को खुश करने की भी होगी, ताकि वेनेजुएला से वह पहले की तरह तेल का भारी आयात कर सके।

वेनेजुएला के मसले पर रूस की भी स्थिति बहुत बेहतर नहीं है। रूस यूक्रेन में फंसा हुआ है। वेनेजुएला से रूस की रणनीतिक संधि तो है, लेकिन उसमें साझा रक्षा का जिक्र नहीं है। फिर रूस के संसाधन, सेना, सैन्य उपकरण आदि यूक्रेन युद्ध में लगे हुए हैं। ऐसे में अगर वह वेनेजुएला का सैन्य सहयोग करता है तो एक तरह से वह अमेरिका के खिलाफ नया मोर्चा खोलना होगा। रूस इस वजह से बचना चाहता है। इसीलिए जब रूसी झंडा लगे पोत को अमेरिकी सेना ने रोका तो रूस ने सिर्फ अमेरिका से रूसी नागरिकों की हिफाजत और उन्हें छोड़ने की अपील ही की। अतीत में जब सोवियत संघ था, तब अमेरिका ऐसी हिम्मत ही नहीं करता था और अगर करता भी तो सोवियत सेनाएं उस ओर कूच कर सकती थीं।

जाहिर है कि लगातार अर्थकेंद्रित होती दुनिया में देशों की प्राथमिकताएं बदल गई हैं। किसी मसले को सुलझाने के लिए सैन्य कार्रवाई अब आखिरी विकल्प के तौर पर उभरी है। रूस और चीन इसी मानस से ग्रस्त हैं। इसीलिए वेनेजुएला ही नहीं, ऐसे अपने किसी और साथी के सहयोग के लिए सक्रिय रूप से सामने आने में अब उनकी दिलचस्पी नहीं है। ऐसे में दुनिया, विशेषकर अमेरिकी कोप से आशंकित देशों को चिंतित होने की जरूरत है। उन्हें वैकल्पिक राह भी तलाशनी होगी।

रासायनिक उर्वरकों का बढ़ता जाल: क्या अब बड़े सुधारों का समय आ गया है?

पद्मश्री राम सरन वर्मा

भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहाँ की एक बड़ी आबादी अपनी आजीविका के लिए सीधे तौर पर खेती पर निर्भर है।देश की बढ़ती खाद्य माँग को पूरा करने के उद्देश्य से पिछले कई दशकों से रासायनिक उर्वरकों का उपयोग निरंतर बढ़ाया गया है।शुरुआती दौर में इन उर्वरकों ने उत्पादन बढ़ाने में निश्चित रूप से मदद की, लेकिन आज इनके अंधाधुंध और अनियंत्रित उपयोग के कारण कृषि, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर गंभीर संकट मंडराने लगा है।

उर्वरकों की खपत के भयावह आंकड़े- देश में रासायनिक उर्वरकों के बढ़ते उपयोग का अंदाज़ा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2018-2019 में जहाँ 115 करोड़ बैग की खपत हुई थी, वहीं 2024-25 के दौरान यह आंकड़ा 150 करोड़ बैग को पार कर गया है।गौर करने वाली बात यह है कि भारत की जनसंख्या लगभग 143 करोड़ है, जबकि उर्वरकों की खपत 150 करोड़ बैग से भी अधिक हो चुकी है।यह असंतुलन न केवल चिंताजनक है, बल्कि भविष्य के लिए एक बड़े खतरे का संकेत भी है।

सेहत और मिट्टी पर दोहरी मार- रासायनिक उर्वरकों का असर अब हमारे थाल तक पहुँच चुका है।गेहूँ, चावल, दालें, सब्जियाँ, फल और यहाँ तक कि दूध, दही और घी भी इनके रसायनों से अछूते नहीं रहे हैं।इसके परिणामस्वरूप देश में कैंसर, हृदय घात, एलर्जी और मधुमेह जैसी गंभीर बीमारियों के मामले दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं।

खेतों की स्थिति भी कम सोचनीय नहीं है।नियमानुसार, उर्वरकों का उपयोग केवल पौधों की जड़ों के पास होना चाहिए, लेकिन पूरे खेत में इनके छिड़काव से खरपतवार की समस्या बढ़ जाती है।इस खरपतवार को खत्म करने के लिए फिर भारी मात्रा में खरपतवार-नाशक दवाओं का उपयोग होता है, जो मिट्टी की उर्वरता को नष्ट कर देती हैं।मिट्टी की खोई हुई शक्ति वापस पाने के लिए किसान और अधिक खाद डालता है, और यह दुष्चक्र हर साल मिट्टी को और अधिक बंजर बनाता जा रहा है।

अर्थव्यवस्था पर बोझ और कालाबाजारी- उर्वरक क्षेत्र में बढ़ता निवेश देश की अर्थव्यवस्था पर भी भारी पड़ रहा है।वर्तमान में देश में प्रतिवर्ष लगभग 3 लाख करोड़ रुपये (सब्सिडी सहित) के रासायनिक उर्वरकों का उपयोग हो रहा है।विडंबना यह है कि हमारा उर्वरक उद्योग 80 प्रतिशत तक विदेशी कच्चे माल या आयातित उर्वरकों पर निर्भर है।कुल 3 लाख करोड़ रुपये में से 2.5 लाख करोड़ रुपये केवल आयात में खर्च हो जाते हैं।इस प्रकार, एक ओर हमारी भूमि बंजर हो रही है, तो दूसरी ओर देश की बड़ी पूंजी विदेशों में जा रही है। सरकार किसानों के कल्याण के लिए भारी सब्सिडी दे रही है।पिछले 10 वर्षों में लगभग 13 लाख करोड़ रुपये की उर्वरक सब्सिडी प्रदान की गई है।इसी सब्सिडी के कारण 40 रुपये प्रति किलो वाली यूरिया खाद किसानों को 6 रुपये प्रति किलो से भी कम दाम पर उपलब्ध है।स्थिति यह है कि यूरिया आज पशुओं के चारे से भी सस्ता हो गया है।सरकार 85 से 90 प्रतिशत तक सब्सिडी देती है ताकि किसानों को यूरिया एक चाय के कप से भी कम कीमत पर मिले।लेकिन इसी कम कीमत का लाभ उठाकर बिचौलिए इसकी कालाबाजारी करते हैं और कृषि के बजाय इसका उपयोग प्लाईवुड कारखानों, कैटल फीड और मिलावटी दूध बनाने में कर रहे हैं।

ज्योतिष शास्त्र में अंगूठी का विशेष महत्व

'ॐ शं शनैश्चराय नमः' मंत्र का 108 बार जप करें.

ज्योतिष शास्त्र में लोहे के छल्ले या कहें कि अंगूठी का विशेष महत्व बताया गया है। लोहा शनि देव से संबंधित धातु होती है। लोग इसकी अंगूठी जरूर पहनते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, लोहे की अंगूठी पहनने से शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या के अशुभ प्रभावों से राहत मिलती है, लेकिन धर्म शास्त्रों में लोहे की अंगूठी धारण करने के कुछ विशेष नियम बताए गए हैं, जिनका पालन जरूरी माना जाता है।

अगर लोहे की अंगूठी धारण करने के नियमों की अनदेखी की जाती है और इसे गलत तरीके से पहना जाता है, तो शनि देव नाराज हो सकते हैं। ऐसे में व्यक्ति को उसके जीवन में कई तरह की परेशानियां हो सकती हैं, इसलिए लोहे की अंगूठी नियम के अनुसार ही धारण करनी चाहिए। आइए जानते हैं कि इसे धारण करने से पहले किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

किस उंगली में पहननी चाहिए लोहे की अंगूठी?

हस्तारेखा शास्त्र के अनुसार, व्यक्ति के हाथ की मध्यमा यानी बीच वाली उंगली का संबंध सीधे शनि देव से बताया गया है। ऐसे में पुरुषों के लिए दाएं हाथ की मध्यमा उंगली में लोहे की अंगूठी पहनना बहुत शुभ माना जाता है। हालांकि, विशेष परिस्थितियों में इसे बाएं हाथ की मध्यमा उंगली में भी पहना जा सकता है।

शुभ दिन और मुहूर्त में पहनें

लोहे की अंगूठी किसी भी दिन पहन लेना अच्छा नहीं माना जाता है। इससे पहनने के लिए सबसे अच्छा दिन शनिवार का ही माना गया है। ये दिन प्रमुख रूप से शनि देव को ही समर्पित है। वहीं अमावस्या तिथि के दिन इसे पहनना अत्यंत फलदायी होता है। इसे पहनने का सर्वश्रेष्ठ समय प्रदोष काल यानी सूर्यास्त का होता है।

लोहे की अंगूठी पहनने की सही विधि

- अंगूठी को सीधे बाजार से लाकर ही न पहन लें। इसे सिद्ध करना जरूरी है।
- शुद्धिकरण के लिए सबसे पहले अंगूठी को सरसों के तेल में डाल दें।
- इसके बाद इसे गंगाजल से धोकर शुद्ध कर लें।
- फिर इसको शनि देव की प्रतिमा के पास रखें। शनि चालीसा का पाठ करें और आरती करें।
- अंत में शनि देव से प्रार्थना करते हुए इसे धारण कर लें।

किसे पहनना और किसे नहीं पहनना चाहिए?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जिन लोगों पर शनि देव की साढ़ेसाती, ढैय्या या महादशा का प्रभाव हो, उनको लोहे की अंगूठी पहननी चाहिए, लेकिन पहले ज्योतिष की सलाह अवश्य लेनी चाहिए।

लोहे की अंगूठी पहनने के लाभ

अगर लोहे की अंगूठों को नियमों से पहना जाता है, तो इसके सकारात्मक परिणाम जीवन में मिलते हैं। नौकरी, व्यापार और करियर में आ रही बाधाएं दूर होती हैं। शनि देव की कृपा से धीरे-धीरे आर्थिक स्थिति स्थिर होती है।

10 मिनट में करें परफेक्ट मेकअप

ऑफिस के लिए हर महिला अपने मुताबिक तैयार होकर जाती है। ऐसे में एक चीज जो सभी में कॉमन होती है वह है मेकअप। मेकअप और ड्रेसिंग सेंस से लड़कियों का आत्म विश्वास काफी बढ़ जाता है। हालांकि, ऑफिस के लिए कैसा मेकअप करें इसे लेकर ज्यादातर लड़कियों को कंफ्यूजन रहती है। ऐसा इसलिए क्योंकि कई बार मेकअप डार्क हो जाता है या फिर कई बार बहुत लाइट हो जाता है। ऐसे में आज हम आपको ऑफिशियल मेकअप करने का सही तरीका बता रहे हैं। अगर आप यहां बताए गए मेकअप स्टेप्स को अपनाएंगी तो 10 मिनट में मेकअप करके तैयार हो जाएंगी।

प्राइमर :- एक बार जब आप चेहरा धो कर मॉइश्चराइजर लगा लेते हैं तो अपनी स्किन को तैयार करने और अपने मेकअप को बेहतर दिखाने के लिए प्राइमर का इस्तेमला करें। प्राइमर बड़े रोमछिद्रों कोकम कर सकता है और आपके मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रख सकता है। इन दिनो कुछ प्राइमर ऐसा भी आ रहे हैं जो फिल्टर वाला लुक देते हैं तो आप इस तरह के प्राइमर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

फाउंडेशन :- ऑफिस मेकअप में हल्के और लंबे समय तक टिकने वाले फाउंडेशन का इस्तेमाल करें जो आपकी स्किन के रंग से मैच होता हो।

कंसीलर :- दाग-धब्बों और काले घेरों को छिपाने के लिए कंसीलर का इस्तेमाल करें।

आईलाइनर :- ऑफिस मेकअप में जेल बेस्ड आईलाइनर का इस्तेमाल करें। ये आसानी से खराब नहीं होगा। अच्छे लुक के लिए आईलाइनर की एक पतली लेयर लगाएं और फिर इसे थोड़ा स्मज कर दें।

ब्लश :- अपने गालों और नाक के ऊपरी हिस्से पर थोड़ी ब्लश लगाएं। बहुत ज्यादा डार्क रंग का ब्लश लगाने से बचें। ऑफिस लुक में नैचुरल रंग का ब्लश ही अच्छा लगता है।

होंठ :- अपने होठों को लिप कलर से भरें। ऑफिस के लिए आप हल्के रंगों को ही चुनें।

आंखें :- ट्रांसपेरेंट मस्कारा लगाकर ऑफिस मेकअप लुक को पूरा करें।

घर में ड्राइंग रूम किस दिशा में बनवाना चाहिए ?

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर का निर्माण किया जाता है। कई बार जाने-अनजाने में गलत दिशा में घर या कमरा बनवाने से वास्तु दोष का प्रभाव बना रहता है। घर का सेंटर पॉइंट माना जाता है लिविंग रूम। घर के ड्राइंग रूम में पॉजिटिव एनर्जी बनाए रखना बेहद जरूरी है। सिर्फ मेहमान ही नहीं घर के सदस्य भी ड्राइंग रूम का इस्तेमाल करते हैं। आइए जानते हैं ड्राइंग रूम किस दिशा में बनवाना चाहिए व ड्राइंग रूम से जुड़े कुछ वास्तु टिप्स-

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में ड्राइंग रूम उत्तर-पूर्व अथवा उत्तर-पश्चिम दिशा में होना या बनवाना शुभ माना जाता है। ड्राइंग रूम का निर्माण इस तरीके से करवाना चाहिए की सूर्य की रौशनी कमरे में आती रहे। कमरे में जितना प्राकृतिक प्रकाश आएगा उतना ही शुभ रहेगा। ड्राइंग रूम में सोफा आदि दक्षिण अथवा पश्चिम दिशा में रखना चाहिए। हल्का फर्नीचर उत्तर एवं पूर्व दिशा में रखना चाहिए। ड्राइंग रूम का ईशान कोण यथा संभव खाली या बहुत हल्का होना चाहिए यानि इस दिशा में ज्यादा सामान नहीं रखना चाहिए। ड्राइंग रूम में पूर्व एवं उत्तर दिशा में खिड़की होना आवश्यक है। ड्राइंग रूम की दीवारों पर हल्के रंग का पेंट करवाना अच्छा माना जाता है। ड्राइंग रूम में सेंटर टेबल पर एक क्रिस्टल का लोटस रखना शुभ फलदायी होता है। ड्राइंग रूम का एंट्री गेट उत्तर या पूर्व की दिशा में होना बेहद शुभ माना जाता है। वहीं, ड्राइंग रूम के अंदर उत्तर या पूरब की दिशा में खिड़कियां होना बेहद शुभ माना जाता है।

ठंड में दमकती त्वचा के लिए अपनाएं आयुर्वेदिक स्किन केयर

आयुर्वेद में हर समस्या से निपटने का इलाज है, अच्छी बात यह है कि ये इलाज नैचुरल है। जिसे हर कोई फॉलो कर सकता है। बात स्किन केयर की करें तो आयुर्वेद में त्वचा देखरेख का मतलब स्किन डिटॉक्स करने और ब्लड सर्कुलेशन सही रखने से है। सर्दियों में स्किन की सबसे कॉमन प्रॉब्लम है ड्राईनेस, इससे निपटने के लिए आप कुछ आयुर्वेदिक तरीकों को अपना सकते हैं। आयुर्वेदिक एक्सपर्ट डॉक्टर दीक्षा भावसार ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए इन तरीकों के बारे में बताया है, जानिए।

1) अभ्यंग

आयुर्वेद सर्दियों के दौरान नियमित अभ्यंग यानी तेल मालिश का सुझाव देता है। इससे करवाने पर कई फायदे मिलते हैं, जिनमें उम्र बढ़ने में देरी, थकान से राहत और वात दोष यानी दर्द को शांत करता है। ये सर्दियों में काफी असरदार होता है और स्किन की ड्राईनेस को खत्म कर सकता है।

2) अटापा-सेवाना

सर्दियों के दौरान सुबह की सूरज की किरणों के संपर्क में आना आरामदायक होता है। ऐसे में आयुर्वेद सुझाव देता है अटापा-सेवन यानी अभ्यंग के बाद जो आपकी स्किन में तेल के उचित अवशोषण में मदद करता है। इसी के साथ विटामिन डी पाने में मदद करता है।

3) व्यायाम

व्यायाम करने के लिए सर्दी सबसे अच्छा मौसम है। क्योंकि इस समय सभी के शरीर में ज्यादा ताकत होती है। सर्दियों के दौरान सूरज की रोशनी में शरीर की क्षमता के अनुसार व्यायाम करने से आपको पूरे दिन गर्म और एनर्जेटिक रहने में मदद मिलती है। ऐसा इसलिए क्योंकि व्यायाम आपके शरीर की अग्नि को उत्तेजित करता है जो आपकी स्किन को गर्म रखता है और पाचन क्षमता को बढ़ाता है।

4) स्नान

आयुर्वेद सर्दियों के दौरान गुनगुने पानी से स्नान करने का सुझाव देता है। हालांकि, गर्म पानी से नहाने से क्योंकि ये आपकी स्किन डिहाईड्रेट करता है और आपकी स्किन ज्यादा ड्राई हो जाती है और फटने का खतरा होता है, इसलिए सर्दियों में गर्म पानी के बजाय गुनगुने पानी से नहाने को चुनना सबसे अच्छा है।

5) नस्य

नस्य मतलब नाक में औषधीय तेल डालना। यह सिरदर्द, माइग्रेन, साइनस कंजेशन, एलर्जी, नाक से खून आना, सफेद बाल, बालों का झड़ना, अनिद्रा आदि में मदद करता है। सोते समय दोनों नाक में A2 गाय का घी या तिल का तेल की 2 बूंदें डालने से सर्दियों में अच्छी नींद आती है।

6) पाद-अभ्यंग

घी, तिल या सरसों के तेल से पैरों की मालिश करें। ऐसा करके आपके तलवों को फटने से बचाया जा सकता है। इसके अलावा आपके दिमाग और शरीर को आराम मिलता है और ब्लड फ्लो में सुधार होता है।

हाई बीपी को नेचुरली कंट्रोल रखते हैं ये योगासन

बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल, खानपान की खराब आदतें और जरूरत से ज्यादा तनाव, आज ज्यादातर लोगों के लिए हाई बीपी का कारण बनता जा रहा है। लंबे समय तक बना हुआ हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट डिजीज, स्ट्रोक और किडनी फेलियर जैसी गंभीर समस्याओं को जन्म देता है। यही वजह है कि इस समस्या को साइलेंट किलर के नाम से भी जाना जाता है। अगर आप भी हाई बीपी की समस्या से परेशान हैं तो अपने डेली रूटीन में योग को जरूर जगह दीजिए। नियमित रूप से योगासन करने से हाई बीपी को कंट्रोल रखने में मदद मिल सकती है। योग न केवल तंत्रिकाओं को शांत करता है, बल्कि तनाव दूर करके बीपी को नेचुरली कंट्रोल करने में भी मदद करता है। आइए जानते हैं ऐसे ही दो योगासनों के बारे में, जिनका नियमित अभ्यास आपके बीपी को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है।

सेतुबंधासन

सेतुबंधासन को अंग्रेजी में ब्रिज पोज के नाम से भी जाना जाता है। यह आसन न केवल ब्लड प्रेशर को प्रभावी ढंग से कम करने में मदद करता है, बल्कि गठिया के दर्द में भी राहत देकर मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। इस आसन को करते समय साधक को अपनी गर्दन, रीढ़ और चेस्ट में स्ट्रेच महसूस होता है। जिससे उसे अपनी परेशानी में आराम मिलता है।

सेतुबंधासन करने का तरीका

सेतुबंधासन करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल सीधा लेटकर घुटनों और कोहनियों को मोड़ें। इसके बाद अपने पैरों को फर्श पर कूल्हों के पास और अपने हाथों को सिर के दोनों तरफ मजबूती से रखें। अब अपने दोनों हाथों और पैरों को जमीन पर सहारा देते हुए धीरे-धीरे शरीर को हवा में उठाने की कोशिश करें। ऐसा करते हुए आपका शरीर ब्रिज के समान बन जाएगा। अब इस मुद्रा में 20 सेकंड के लिए बने रहें। तय समय बाद धीरे-धीरे शरीर को पहले की मुद्रा में वापस ले आएं।

वॉशिंग मशीन में भूल से भी ना धोएं ये 5 चीजें

रोजाना के कामों में से सबसे मुश्किल और बोरिंग काम कोई है तो वो है कपड़े धोना। खैर, वॉशिंग मशीन के आने से ये काम भी अब काफी हद तक आसान हो गया है। ढेर सारे कपड़ों को धोना हो या सूखना, अब ये सभी काम कम मेहनत और कम समय में हो जाते हैं। यूं तो वॉशिंग मशीन आज घर-घर में कॉमन हो गई है लेकिन फिर भी बहुत से लोग हैं जो इसे सही से इस्तेमाल करना नहीं जानते। आमतौर पर लोगों को लगता है कि वॉशिंग मशीन में किसी भी तरह के कपड़ों को धोया जा सकता है, जो बिल्कुल भी नहीं ठीक नहीं। जी हां, कुछ ऐसे कपड़े हैं जिन्हें किसी भी हाल में आपको वॉशिंग मशीन में नहीं धोना चाहिए। ऐसा करने से ये कपड़े तो खराब होंगे ही, साथ ही आपकी मशीन की हालत भी खराब हो सकती है। तो चलिए जानते हैं वो कौन से कपड़े हैं।

वॉशिंग मशीन में ना धोएं सिल्क के कपड़े

अगर आप अपनी सिल्क की साड़ियां या बाकी कपड़े बिना सोचे समझे वॉशिंग मशीन में डाल देती हैं, तो ऐसा करने से बचें। दरअसल सिल्क बहुत ही डेलिकेट फैब्रिक होता है। ऐसे में जब आप इसे मशीन में धोने के लिए डाल देती हैं, तो इसके खराब होने के चांस काफी बढ़ जाते हैं। हार्ड वॉश के चलते सिल्क के धागे निकलने लगते हैं और उसकी चमक भी खो जाती है। कई बार तो इसकी पूरी की पूरी कढ़ाई भी खराब हो सकती है।खासतौर से महंगे और प्योर सिल्क के कपड़े खराब होने के ज्यादा चांस होते हैं।

लेदर से बनी चीजें भी ना करें मशीन में वॉश

कुछ लोग अपनी लेदर से बनी जैकेट्स, पैंट्स, जूते, पर्स और यहां तक कि अपनी बेल्ट और बैग भी वॉशिंग मशीन में धोने के लिए डाल देते हैं। ऐसा करने से ना सिर्फ आपकी लेदर से बनी चीजें पूरी तरह खराब हो सकती हैं बल्कि वॉशिंग मशीन तक के खराब होने का भी खतरा बढ़ जाता है। असल में लेदर से बनी चीजें काफी डेलिकेट होती हैं और उन्हें इतनी ज्यादा साफ-सफाई की जरूरत भी नहीं होती। आप किसी सॉफ्ट ब्रश या बेबी वाइप्स की मदद से लेदर को अच्छी तरह क्लीन कर सकती हैं।

मशीन में ना धोएं ऊनी कपड़े

सर्दियों के ऊनी गर्म कपड़े भी वॉशिंग मशीन में नहीं धोने चाहिए। खासतौर से हाथ से बुने हुए स्वेटर और जर्सी तो भूल से भी मशीन में ना डालें। दरअसल मशीन में इन्हें वॉश करने से इनपर रोए निकलने लगते हैं। साथ ही कई बार ये काफी लूज भी हो जाते हैं और बुनाई भी खुलने लग जाती है। ऐसे में बेहतर यही है कि ऊनी कपड़ों को या तो ड्राई क्लिन कराएं या फिर ठंडे पानी से हैंड वॉश करें।

ब्रा को भी ना करें मशीन वॉश

अगर आप अपनी डेली वियर की ब्रा मशीन में वॉश करती हैं, तो ये आदत बदल लें। दरअसल ब्रा को मशीन वॉश करने पर उसके हुक्स डैमेज होने का खतरा होता है। इसके साथ ही ब्रा के स्ट्रेप्स और शेप लूज होने के भी चांस होते हैं। खासतौर से फैंसी लेस ब्रा, पेडेड ब्रा और अंडरवायर वाली ब्रा तो आपको भूलकर भी मशीन में वॉश नहीं करनी चाहिए। इससे ब्रा के पूरी तरह डैमेज होने के चांस बढ़ जाते हैं।

लड्डू बनाते समय कुछ आसान कुकिंग टिप्स

सर्दियों में मौसम में ज्यादातर घरों में ठंड से बचने के लिए लोग मेवे, गोंद, तिल जैसी कई चीजों के लड्डू बनाकर पहले से ही स्टोर कर लेते हैं। ये लड्डू ना सिर्फ खाने में बेहद टेस्टी होते हैं बल्कि शरीर की गर्माहट बनाए रखकर सेहत को भी कई तरह के फायदे देते हैं। हालांकि कई बार लड्डू बनाते समय की गई कुछ छोटी-छोटी गलतियां ना सिर्फ लड्डू का स्वाद बल्कि उसकी बनावट भी खराब कर देती हैं। जिससे लड्डू खाने में सख्त पत्थर जैसे लगने लगते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो अगली बार लड्डू बनाते समय इन आसान कुकिंग टिप्स को जरूर फॉलो करें। ताकि आपके लड्डू भी परफेक्ट बन सके।

अनुपात का रखें ध्यान

लड्डू बनाते समय सबसे पहले उसमें डाली जीने वाली हर चीज के सही अनुपात का ध्यान रखें। आटे में घी की मात्रा कम रहने से लड्डू सख्त बनते हैं। ऐसे में लड्डू बनाते समय घी की मात्रा की खास ख्याल रखें। लड्डू में पर्याप्त मात्रा में डाला गया घी उन्हें नरम बनाता है।

मीठा डालते हुए

लड्डू में मिठास बनाए रखने के लिए उसमें चीनी या गुड़ का मिश्रण डालने से पहले कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें। अगर आप लड्डू में पाउडर चीनी का यूज कर रहे हैं, तो इसे लड्डू के ठंडे मिश्रण में मिलाएं। जबकि गुड़ का यूज करने पर इसे घी में हल्का पिघलाकर डालें। चीनी की चाशनी डालते समय ध्यान रखें कि एक तार की चाशनी लड्डू को सॉफ्ट बनाए रखती है।

सही तरह से भूना हुआ हो लड्डू का मिश्रण

अगर लड्डू के बेसन या आटे की भुनाई अच्छी तरह से नहीं होती है तो लड्डू के स्वाद में कच्चापन आने के साथ वो सख्त भी बनते हैं। इस बात का खास ख्याल रखें कि लड्डू का आटा हमेशा धीमी आंच पर भूना जाता है, जिससे वो अंदर तक पक जाता है। आटे को लो फ्लेम पर तब तक भूनें, जब तक उसका रंग हल्का भूरा होने के साथ अच्छी खुशबू ना देने लगें।

संक्षिप्त समाचार

आपरेटर रूपेश वर्मा के निधन के बाद उसकी पत्नी गोमती को मिली अनुकम्पा नियुक्त, नगर पंचायत पाटन का मामला

पाटन। नगर पंचायत पाटन में पदस्थ आपरेटर रूपेश वर्मा के निधन के पश्चात उनकी पत्नी गोमती वर्मा को अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की गई। नगर पंचायत कार्यालय में नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले, उपाध्यक्ष निशा सोनी, पार्षद केवल देवांगन एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) हेमंत वर्मा ने गोमती वर्मा को नियुक्ति पत्र सौंपा। ज्ञात हो कि स्वर्गीय रूपेश वर्मा नगर पंचायत पाटन में आपरेटर के पद पर कार्यरत थे। उनके आकस्मिक निधन के बाद शासन के नियमानुसार उनकी पत्नी को अनुकम्पा नियुक्ति का लाभ दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने गोमती वर्मा को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि वे अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करेंगी।

तीन दिवसीय बगदई मेला उत्सव का भव्य आयोजन, सांस्कृतिक परंपराओं का होगा अद्भुत संगम

मुंगेली जिला मुख्यालय से समीपस्थ ग्राम नुनियाकछार में 1 से 3 फरवरी 2026 तक होगा बगदाई मेला उत्सव

मुंगेली(समय दर्शन) मुंगेली जिले के ग्राम नुनियाकछार में इस वर्ष भी भव्य बगदई मेला उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला 1 फरवरी से 3 फरवरी 2026 तक चलेगा और अपने 14वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। बगदाई माता की पूजा-अर्चना से लेकर लोक संस्कृति के समृद्ध प्रस्तुति तक, यह आयोजन श्रद्धा, संस्कृति और सामाजिक समरसता का अद्भुत मिश्रण होगा। इस उत्सव के दौरान ग्रामवासियों एवं आस-पास के क्षेत्रों में अत्यधिक उत्साह और खुशी देखने को मिल रही है।

पहला दिन - पूजा-अर्चना व भजन संध्या- मेला उत्सव का प्रारंभ 1 फरवरी 2026 को शाम 5 बजे बगदाई माता की विधिवत पूजा-अर्चना और भजन संध्या से होगा। श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित होकर माता के दर्शन करेंगे और सुख-समृद्धि की कामना करेंगे। इस दिन की भजन संध्या में स्थानीय और बाहर से आए कलाकारों द्वारा भक्तिमय प्रस्तुतियां दी जाएंगी, जिससे पूरा वातावरण भक्तिरस में डूब जाएगा।

दूसरा दिन - मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान- 2 फरवरी 2026 को सामाजिक सरोकारों के तहत मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इस दिन उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा, जिससे उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा मिलेगी। इसके साथ ही एक विशाल सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी होगा, जो शिक्षा के प्रति जागरूकता और उत्साह को बढ़ावा देगा।

तीसरा दिन - लोक संस्कृति की भव्य प्रस्तुति- मेला उत्सव का समापन 3 फरवरी 2026 को छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति की भव्य प्रस्तुति से होगा। इस दिन स्थानीय लोक कलाकारों द्वारा छत्तीसगढ़ की पारंपरिक कला और संगीत का शानदार प्रदर्शन किया जाएगा। सुप्रसिद्ध लोक गायिका पायल साहू और लोक मंचन के निर्देशक आकाश चन्द्राकर के नेतृत्व में लगभग 40 कलाकार चिन्हारी लोक मंजीरा का मंचन करेंगे। यह कार्यक्रम रात्रि 9 बजे से प्रारंभ होगा और इसकी भव्यता को देखते हुए बड़ी संख्या में दर्शकों के जुटने की संभावना है।

मेले में मनोरंजन और खरीदारी का मजा- तीन दिवसीय मेले के दौरान मनोरंजन के लिए झूले, खेल-तमाशे और खानपान की दुकानें भी लगेंगी। व्यापारियों से अपील की गई है कि वे मेला समिति से संपर्क कर दुकानों की अनुमति प्राप्त करें। साथ ही, मेले में विभिन्न प्रकार की अस्थायी दुकानें भी सजेंगी, जो इस आयोजन को और भी आकर्षक बनाएंगी।

आयोजन समिति और सहयोग- यह भव्य आयोजन जय बगदाई सेवा समिति, नुनियाकछार द्वारा किया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष, श्री विश्वराज सिंह परिहार ने क्षेत्र के सभी नागरिकों से आग्रह किया है कि वे परिवार सहित मेला उत्सव में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने में योगदान दें। बगदाई मेला उत्सव न केवल नुनियाकछार, बल्कि समग्र मुंगेली जिले के लिए आस्था, संस्कृति और भाईचारे का प्रतीक बन चुका है। संक्षेप में, बगदाई मेला उत्सव एक ऐसा आयोजन है, जो धार्मिक श्रद्धा, सांस्कृतिक धरोहर और सामाजिक एकता का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत करता है। इस उत्सव के माध्यम से न केवल छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि यह क्षेत्रवासियों के बीच एकता और भाईचारे को भी प्रगाढ़ करेगा।

टोकन नही काटने पर अन्न दाता भड़के, खरीदी केंद्र का घेराव ,भाजपा सरकार पर कुशासन का आरोप

सारँगढ़ बिलाईगढ़- टारजन महेश(समय दर्शन) छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के अंतिम दौर में अब सियासत और आक्रोश चरम पर है। धान खरीदी समाप्त होने में महज 5 दिन शेष बचे हैं, लेकिन कपरतुंगा उपार्जन केंद्र में टोकन नहीं कटने से नाराज किसानों का सब्र टूट गया। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने स्थानीय विधायक उत्तरी जांगड़े और बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता केंद्र पहुंचे, जहाँ उन्होंने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और केंद्र का घेराव कर धरने पर बैठ गए।

सरकार पर तानाशाही और 'कुशासन' का आरोप- प्रदर्शन के दौरान विधायक उत्तरी जांगड़े ने राज्य की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह सरकार सुशासन के नाम पर कुशासन चला रही है। विधायक ने आरोप लगाया कि:

भाजपा सरकार पूरी तरह किसान विरोधी है।

किसानों को जबरन प्रताड़ित कर उनका रकबा समर्पण करवाया जा रहा है।

समय रहते टोकन जारी न करके किसानों को मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान किया जा रहा है।

हंगामे के बीच प्रशासन की मध्यस्थता

?खरीदी केंद्र पर घंटों चले इस हाई-वोल्टेज भारी हंगामे की सूचना मिलते ही तहसीलदार प्रकाश पटेल ,पटवारी ,पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। कांग्रेस नेताओं और आक्रोशित किसानों ने तहसीलदार के सामने अपनी मांगें रखीं और स्पष्ट किया कि जब तक टोकन की समस्या हल नहीं होती, वे वहां से नहीं हटेंगे।

तहसीलदार का आश्वासन और समाधान

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार प्रकाश पटेल ने मोर्चा संभाला और प्रदर्शनकारियों को शांत कराया। उन्होंने निम्नलिखित कदम उठाए:

टोकन के निर्देश: तहसीलदार ने केंद्र के कंप्यूटर ऑपरेटर को तत्काल निर्देशित किया कि पात्र किसानों के टोकन काटे जाएं।

दाने-दाने की खरीदी: उन्होंने किसानों को भरोसा दिलाया कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक किसान का एक-एक दाना धान खरीदा जाएगा।

?समय सीमा का ध्यान: शेष बचे 5 दिनों के भीतर सभी लंबित किसानों की समस्या के निराकरण का वादा किया।

?तहसीलदार के मौखिक आश्वासन के बाद विधायक उत्तरी जांगड़े और किसानों ने अपना प्रदर्शन समाप्त किया। हालांकि, कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि दोबारा किसानों को टोकन के लिए परेशान किया गया, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

भूपेन्द्र बघेल (छोटू) बने गाड़ाडीह मंडल अध्यक्ष,सक्रीय कार्यकर्ता के रूप में है पहचान

पाटन (समय दर्शन)। कांग्रेस पार्टी हाईकमान द्वारा पाटन विधानसभा क्षेत्र में संगठन को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए 8 नए मंडल अध्यक्षों की घोषणा की है।

जिसमें गाड़ाडीह मंडल में बेलौदी निवासी भूपेंद्र बघेल(छोटू) को मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

युवा भूपेन्द्र बघेल का बचपन से ही राजनीति से गहरा नाता रहा है। उनके पिता शंकर बघेल कांग्रेस के कद्दावर नेताओं में शामिल हैं। आज विधनसभा की राजनीति में उनकी अपनी एक अलग पहचान है।वे पूर्व जनपद उपाध्यक्ष और कांग्रेस की सरकार में बीज निगम के सदय भी रहे हैं।

अपने पिता की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। छोटू बघेल सन 2010 से लगातार कांग्रेस के सक्रीय कार्यकर्ता रूप में क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं और विगत 7 वर्षों से कांग्रेस के सेक्टर प्रभारी के रूप में कांग्रेस को मजबूत करने का काम किया है।क्षेत्र में युवाओं में उनकी खासी पकड़ है उन्हें एक सक्रीय कार्यकर्ता के रूप में अपनी एक अलग पहचान बनाई है।

श्री बघेल के मंडल अध्यक्ष पद पर नियुक्ति से क्षेत्र के कार्यकर्ताओं में खुसी की लहर है और क्षेत्र में पार्टी की गतिविधियों में एक नई ऊर्जा और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

छोटू बघेल ने अपनी नियुक्ति के लिए पार्टी हाईकमान का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि सौंपे गए दायित्व का वह बखूबी निर्वहन करने का प्रयास करेंगे। मण्डल संगठन को मजबूत किया जाएगा। सभी को एकजुट करके पार्टी को नए मुकाम पर ले जाने का प्रयास रहेगा। यदि किसी के कोई मतभेद या मनभेद होंगे तो उन्हें भी दूर करके सभी को एक करने की कोशिश रहेगी।

जिला स्तरीय पशु मेला उत्सव एवं प्रदर्शनी 23 जनवरी शुक्रवार को औरी में

पाटन। ग्राम-औरी (जामगांव-आर), वि.खं. पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.) में पशुधन विकास विभाग, दुर्ग द्वारा आयोजित जिला स्तरीय पशु मेला, उत्सव एवं प्रदर्शनी का आयोजन 23 जनवरी को किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय बघेल सांसद, दुर्ग लोकसभा, अध्यक्षता जिला पंचायत सभापति श्रीमती नीलम राजेश चन्द्राकर करेंगी। विशिष्ट अतिथि श्रीमती कल्पना नारद साहू जी सभापति, जिला पंचायत दुर्ग मान. श्रीमती कीर्ति दुर्गेश नायक जी, अध्यक्ष, जनपद पंचायत, पाटन मान. श्री कमलेश वर्मा जी उपाध्यक्ष, जनपद पंचायत, पाटन मान. श्री रविकुमार सिन्हा जी सभापति, जनपद पंचायत पाटन मान. श्री राजकुमार चन्द्राकर जी, सदस्य, जनपद पंचायत, पाटन मान. श्रीमती मीनु शर्मा जी सरपंच ग्राम पंचायत बोरवाय वि. खं. पाटन जिला दुर्ग होंगे। कार्यक्रम दिनांक 23.01.2026 दिन शुक्रवार समय: प्रात: 10.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक स्थान-ग्राम औरी (जामगांव आर) वि. खं. पाटन, जिला दुर्ग में होगा।

फास्टरपुर में भगवान बिरसा मुंडा की मूर्ति पर श्रद्धांजलि अर्पित, NSS द्वारा आयोजित कार्यक्रम में युवाओं को मिली प्रेरणा

मुंगेली(समय दर्शन) फास्टरपुर शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय फास्टरपुर की हस्स इकाई द्वारा आज भगवान बिरसा मुंडा की मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धापूर्वक उनका सम्मान किया गया। यह कार्यक्रम विद्यालय की प्राचार्य डॉ. पूर्णिमा मिश्रा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जिसमें विद्यालय के शिक्षकों, हस्स स्वयंसेवकों और क्षेत्रीय गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में शाला अध्यक्ष डॉ. राजेश गुप्ता, सदस्य श्री नरेंद्र जायसवाल, सेतगंगा के सरपंच श्री जय देवांगन, तथा अन्य विशिष्ट अतिथियों—अर्चना बंजारे, अंजना यादव, मनीष यादव, रोहित साहू और क्क्क्क कार्यकर्ताओं ने बिरसा मुंडा की मूर्ति पर धूप दीप और पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने आदिवासी समाज के महान नेता और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष और उनके योगदान को याद किया।

कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रामबाबू मिश्र ने विद्यार्थियों को भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया और उनके द्वारा किए गए संघर्ष को समाज के उत्थान में अहम बताया। हस्स स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम को पूरी तत्परता और उत्साह के साथ आयोजित किया, जो इस आयोजन की सफलता की मुख्य वजह बनी।

कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रनायकों के प्रति सम्मान की भावना को जागृत करना और सामाजिक चेतना को सुदृढ़ करना था। विद्यालय परिवार के मुकेश सिंह परिहार जी ने कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

यह आयोजन विद्यालय के छात्रों को सामाजिक दायित्व, राष्ट्रप्रेम और संघर्ष की महत्वपूर्ण सीख देने के रूप में याद रखा जाएगा।

छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट वेलफेयर यूनियन के ब्लॉक इकाई अध्यक्ष निर्विरोध नियुक्त हुए इरफान शेख, सचिव बने हेमंत वैष्णव एवं उपाध्यक्ष बने रहेंगे नृपनिधी पाण्डेय

सरायपाली नृपनिधी पाण्डेय (समय दर्शन) - छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट वेलफेयर यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष अमित गौतम के निर्देशानुसार एवं जिलाध्यक्ष बलराज नायडू की उपस्थिति में सरायपाली ब्लॉक इकाई की मासिक बैठक स्थानीय वन विभाग रेस्ट हाउस सरायपाली में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता महासमुंद जिला अध्यक्ष बलराज नायडू द्वारा की गई, जिसमें संगठन के विस्तार और मजबूत रणनीति पर गहन चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित जिला के पदाधिकारियों और ब्लॉक के सदस्यों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए और संगठन को अधिक प्रभावशाली एवं सशक्त बनाने के लिए विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई द्य बैठक में जिलाध्यक्ष बलराज नायडू की उपस्थिति में ब्लॉक इकाई अध्यक्ष के लिए निर्विरोध मोहम्मद इरफान शेख को चुना गया साथ ही सचिव पद के लिए हेमंत वैष्णव को नियुक्त किया गया है। नव नियुक्त अध्यक्ष ने संगठन के उद्देश्यों और आगामी योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी और उन्होंने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य पत्रकारों के अधिकारों और सुरक्षा के लिए काम करना है एवं उन्होंने उपस्थित सदस्यों से आह्वान किया कि वे संगठन को मजबूत बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं और अधिक से अधिक पत्रकारों को संगठन से जोड़ने का प्रयास करें। बैठक में उपस्थित जिला से आए पदाधिकारियों में जिलाध्यक्ष बलराज नायडू के साथ कीर्ति पांडे एवं सुखदेव वैष्णव उपस्थित रहे।सरायपाली के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष शंकर लहरे, नृपनिधी पाण्डेय, संजय प्रधान, आयुष साहू, अभिनय शाह, सुनील महापात्र, सहित अन्य सदस्य भी शामिल रहे। संगठन के सभी सदस्यों ने अपने-अपने विचार रखे और संगठन के विस्तार हेतु अपनी प्रतिबद्धता जताई। बैठक के अंत में ब्लॉक अध्यक्ष ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया और संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए सभी से मिलकर कार्य करने का आह्वान किया एवं आगामी त्यौहार राष्ट्र पर्व गणतंत्र दिवस मनाने एवं शांति पूर्ण तरीके से कवरेज करने का आग्रह किया।

मोहल्ले वासियों के शिकायत के बावजूद लंबे समय तक होती रही गैर कानूनी गतिविधियां

बिलासपुर (समय दर्शन)। रतनपुर के वार्ड नंबर 3 महामाया पर स्थित एक दो मंजिला मकान कभी सावित्री कुंज तो कभी राम दरबार बन जाता है। पड़ोसियों के लिए परेशानी का सबक है। आसपास से जो जानकारी प्राप्त होती है बताती है कि 2022 में यहां एक मैरिज ब्यूरो हुआ करता था और इसी मैरिज ब्यूरो से न्यू पड़ी गैर कानूनी व्यवसाय की जो बाद में देह व्यापार, सट्टा, जुआ, मदिरापान सबको स्थान मिलने लगा।

मंदिर से मात्र आधा किलोमीटर दूर होने के कारण सोशल मीडिया पर रुकने का स्थान देखने वालों के लिए यह जगह आसान बन गया। बगैर पार्किंग अनजान लोगों का आना-जाना बढ़ने लगा तब मोहल्ले के लोगों ने संबंधित सरकारी अधिकारियों के समक्ष आपत्तियां भी दर्ज कराई बताते हैं कि इस स्टे होम का संचालक एक दो बार होली के मौके पर संबंधित थाने द्वारा गिरफ्तार भी हुआ है। मतलब थाना क्षेत्र को जानकारी तो थी स्थानीय निकाय ने इस पर ताला जड़ दिया है। अवैध होटल संचालन करने वाला व्यक्ति अब अपने ऊपर हो गई कार्यवाही को अत्याचार बता रहा है। 21 जनवरी से अनशन पर बैठने वाला था पर नहीं बैठा, रतनपुर में भक्त जनों के अतिरिक्त सरकारी कुछ अधिकारियों का भी आना-जाना लगा रहता है के बावजूद 2022-23 से शिकायत थी तो किस कारण कार्यवाही टलती रही।

वीबी-जीरामजी योजना का कार्य देखने फील्ड में उतरे कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे

कलेक्टर ने श्रमिकों को दी वीबी-जीरामजी योजना की जानकारी, अतिथि, ग्रामीण, अधिकारी कर्मचारी, श्रमिकों ने बनाया वीबी-जीरामजी का मानव श्रृंखला

सारंगढ़ बिलाईगढ़, (समय दर्शन) कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे और जिला पंचायत सीईओ इंद्रजीत बर्मन अपने विभागीय अधिकारियों के साथ ग्राम रामभाठा, ग्राम पंचायत चांटीपाली मौके पर काम कर रहे नवीन तालाब निर्माण कार्य के मजदूरों के बीच उपस्थित हुए एवं वीबी-जीरामजी योजना के बारे में विस्तृत से मजदूरों को जानकारी दिए। नवीन तालाब निर्माण कार्य में काम कर रहे मजदूरों से चर्चा के दौरान कलेक्टर ने काम में गांव के दिव्यांगजन को भी प्रावधान के तहत रोजगार देने हेतु रोजगार नियोजन के लिए निर्देशित किया। इस दौरान सरपंच चांटीपाली

ओमलाल यादव सहित लगभग 300 मजदूर, ग्रामीण उपस्थित थे। सभी से कलेक्टर ने केन्द्र सरकार की नवीन योजना वीबी-जीरामजी के बारे में संवाद स्थापित किया। वीबी-जीरामजी के बारे में विस्तार से एपीओ (मनरेगा) शशिकांत गुप्ता के द्वारा ग्रामीणों एवं मजदूरों को अवगत कराया गया।

कलेक्टर ने इस दौरान उपस्थित मजदूरों और ग्रामीणों से शासन की अन्य योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को मिल रहा है या नही, पूछताछ किया। गांव में बन रहे प्रधानमंत्री आवास योजना, श्रम विभाग की

योजना, महतारी वंदन योजना एवं स्कूल में शिक्षक के आने व पढ़ाने जैसे महत्वापूर्ण विषयों पर ग्रामीणों से जानकारी लिया। ग्रामीणों के द्वारा लगभग सभी योजनाओं का लाभ सुचारू रूप से प्राप्त होना एवं शासन की योजनाओं से संतोष व्यक्त किया गया। निरीक्षण के दौरान मनरेगा के लगभग 300 मजदूरों ने वीबी-जीरामजी योजना के प्रति मानव श्रृंखला बनाकर समर्थन व्यक्त किया। जल सरंक्षण को बचाने के लिए कलेक्टर द्वारा ग्रामीणों को जल शपथ दिलाया गया। कलेक्टर डॉ. कन्नौजे द्वारा कार्य कर रहे मजदूरों और उनके बच्चों को अपने हाथों से बिस्किट पैकेट वितरित किया।

वीबी-जीरामजी योजना (पूर्व नाम मनरेगा) से लाभ- वीबी-जीरामजी योजना के तहत अब 100 दिवस के स्थान 125 दिवस का रोजगार, 7 दिवस में मजदूरी भुगतान न होने पर मुआवजा, समय पर कार्य नही मिलने पर बरोजगारी भत्ते के प्रावधान, जल संबंधी कार्यो को मिलेगा बढ़ावा, मूलभूत ग्रामीण अवसंरचनाओं होगी सुदृढ़, आजीविका के अवसरों का होगा विस्तार, अनुकूल क्षमता का होगा विकास, जैसे महत्वपूर्ण प्रावधानों के बारें में बताया गया।

खबर-खास

सहसपुर लोहारा के जैन ट्रेडर्स में अवैध भंडारण 4738 बोरी धान और अनाज जप्त

कवर्धा (समय दर्श न)। सहसपुर लोहारा विकासखंड के ग्राम रणवीरपुर स्थित जैन ट्रेडर्स एवं दाल मिल में मंडी प्रशासन ने औचक निरीक्षण कर बड़ी कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान फर्म परिसर में 4738 बोरी धान और अन्य अनाज का अवैध भंडारण पाया गया। जांच में यह सामने आया कि अनाज के भंडारण से संबंधित कोई भी वैध दस्तावेज उपलब्ध नहीं था। अनियमितता पाए जाने पर मंडी प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मौके पर ही सभी 4738 बोरी अनाज जप्त कर लिया। कलेक्टर गोपाल वर्मा के निर्देश पर मंडी सचिव श्री भंडारी एवं मंडी इंस्पेक्टर मनोज वैष्णव के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई की। जांच के दौरान फर्म परिसर में कुल 4738 बोरी अनाज बिना किसी वैध दस्तावेज के भंडारित पाया गया। जप्त अनाज में 4453 बोरी धान, 90 बोरी चना, 170 बोरी तुअर, 10 बोरी सोयाबीन तथा 15 बोरी गेहूं शामिल हैं। निरीक्षण के समय फर्म द्वारा अनाज भंडारण से संबंधित कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। इस पर मंडी प्रशासन ने छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी अधिनियम 1972 की धारा 20/23 के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए जप्ती प्रकरण दर्ज किया तथा मौके पर पंचनामा एवं सूपूर्दनामा तैयार किया गया। निरीक्षण के दौरान लेखपाल प्रहलाद सिंह ठाकुर एवं सहायक ग्रेड 2 अशोक गुप्ता भी उपस्थित रहे।

रेंज स्तरीय ''ऑपरेशन निश्चय'' के तहत 19.696 किलो अवैध गांजा के साथ तस्करो को किया गिरफ्तार

गरियाबंद। ऑपरेशन निश्चय'' के अंतर्गत पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज,रायपुर अमरेश मिश्रा के दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शन में रेंज स्तर पर ऑपरेशन निश्चय चलाया जा रहा है।जिसके परिपालन में समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को अवैध गांजा,हीरा के साथ वन्य जीवों के तस्करी पर रोकथाम एवं प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया था।इसी तरतम्य में थाना प्रभारी राजिम को मुखबीर की सूचना पर दो व्यक्ति एक बिना नंबर प्लेट की बजाज पल्सर एनएस मोटर साइकल से गांधी नगर की ओर राजिम पुल के तरफ जाने की सूचना पर थाना प्रभारी द्वारा टीम तैयार कर मुखबीर द्वारा बताएं सूचना के आधार पर घेराबंटी कर संथली आरोपी को बिना नंबर प्लेट की गाड़ी बजाज पल्सर एनएस 400 के साथ आते देख रोक कर पुछताछ करने पर वाहन चालक ने अपना नाम राकेश सिंह पिता परमेश्वर सिंह उम्र 21 वर्ष व बाइक में बैठे दुसरे व्यक्ति ने अपना नाम डोमेश्वर सिंह पिता पवन सिंह उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम सलोनी वार्ड नं. 12 भाठापारा थाना जालबांधा जिला खैरागढ़ (छ.ग.) का होना बताया गया। संदेहियों की तलाशी के दौरान एक काला रंग के बैग में 2 पैकेट गांजा मादक पदार्थ बरामद किया गया।उक्त अवैध गांजा मादक पदार्थ को समक्ष गवान के तौल करवाने पर 12.46 किलो ग्राम एवं 7.230 किलो ग्राम कुल वजन 19.696 किलो ग्राम होना पाया गया। उक्त गांजा की कीमती 9 लाख 98 हजार 450 रूपये व घटना में प्रयुक्त बिना नंबर प्लेट की गाड़ी बजाज पल्सर एनएस 400 एवं को समक्ष गवाहन के जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया।आरोपियों का उक्त कृत्य अपराध धारा 20(ख) नारकोटिक्स एक्ट का पाये जाने से थाना राजिम में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में आरोपी राकेश सिंह एवं डोमेश्वर सिंह को समक्ष गवाहन के विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

सड़क सुरक्षा माह अंतर्गत नि:शुल्क लर्निंग लायसेंस एवं हेल्मेट वितरण

गरियाबंद। गरियाबंद पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा माह अंतर्गत 22 जनवरी को पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर के दिशा-निर्देश में उप पुलिस अधीक्षक लीतेश सिंह यातायात नोडल, गौरीशंकर कश्यप अध्यक्ष जिला पंचायत गरियाबंद एवं ओमप्रकाश कुजूर एसडीओपी मैनपुर व उप पुलिस अधीक्षक मंजूलता राठौर के साथ आरटीओ के टीम द्वारा संयुक्त रूप से थाना देवभोग क्षेत्र अंतर्गत में सड़क सुरक्षा कार्यक्रम नि:शुल्क लर्निंग लायसेंस व हेल्मेट वितरण शिविर का आयोजन किया गया। इस एक दिवसीय आयोजित शिविर के दौरान दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों के लिए उपस्थित लोगो के द्वारा लर्निंग लाइसेंस के लिए आवेदन किए। शिविर में लर्निंग लाइसेंस के साथ-साथ वाहन चालको सड़कों पर आवश्यक रूप से यातायात नियमों का पालन करने के संबंध में जानकारी देते हुए जागरूक किया गया।

पूर्व नपा अध्यक्ष गफ्फूमेमन ने नई दिल्ली में बीजेपी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से की मुलाकात

गरियाबंद (समय दर्श न)। भाजपा नेता और पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष गफ्फू मेमन ने बुधवार को नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ प्रभारी एवं भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से सौजन्य मुलाकात कर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस दौरान गफ्फूमेमन ने कहा कि नितिन नबीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाना पार्टी संगठन की दूरदर्शी सोच और कुशल रणनीतिक का परिचायक है। उन्होंने कहा भाजपा के केंद्रीय संसदीय बोर्ड ने ऐसे नेता को शीर्ष जिम्मेदारी सौंपी है,जो युवा होने के साथ-साथ संगठन की जमीनी हकीकत को भली-भांति समझते हैं। वे कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद स्थापित करने में विश्वास रखते हैं। मेमन ने कहा कि नितिन नबीन जी ने अपने राजनीतिक और संगठनात्मक कौशल का परिचय पहले छत्तीसगढ़ में दिया, जहां प्रभारी रहते हुए उन्होंने संगठन को नई ऊर्जा प्रदान की। जिससे राज्य की सत्ता में भाजपा की ऐतिहासिक वापसी हुई। इसके बाद बिहार में भी उनके कुशल रणनीति के चलते भारतीय जनता पार्टी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की, यह उनकी कुशल नेतृत्व क्षमता,चुनावी प्रबंधन और संगठनात्मक पकड़ को दर्शाता है।उन्होंने कहा कि नितिन नवीन जी

का व्यक्तित्व सरल,सुलभ और डाउन-टू-अर्थ है। वे सत्ता या पद से नहीं,बल्कि सेवा और संगठन भाव से कार्य करते हैं।उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे संगठन की हर कड़ी चाहे वह बूथ स्तर का कार्यकर्ता हो या वरिष्ठ पदाधिकारी सभी को समान सम्मान देते हैं और सबको साथ लेकर आगे बढ़ते हैं।पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष गफ्फूमेमन ने बताया कि छत्तीसगढ़ प्रभारी रहते हुए नितिन नबीन का मार्गदर्शन प्रदेश के भाजपा कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों को निरंतर मिलता रहा। स्वयं नगर पालिका अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने नगर विकास से जुड़े कई विषयों, संगठनात्मक कार्यों और जनसमस्याओं को लेकर नितिन नबीन जी से चर्चा की और उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया।चाहे नगर पालिका से संबंधित समस्याएं हों,गरियाबंद जिले के संगठनात्मक कार्यक्रम हों या प्रदेश के किसी भी हिस्से में भाजपा कार्यकर्ताओं को सहयोग और मार्गदर्शन की आवश्यकता हो,छत्तीसगढ़ प्रभारी के रूप में नितिन नबीन जी हमेशा पूरी प्रतिबद्धता,निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ कार्यकर्ताओं के साथ खड़े रहे और उनकी समस्याओं का निराकरण किया। पूर्व नपा अध्यक्ष गफ्फू मेमन ने कहा कि नितिन नबीन का नेतृत्व संगठनात्मक दृष्टि से काफी सशक्त है। उनके नेतृत्व में भाजपा वैचारिक और संगठनात्मक रूप से और अधिक मजबूत होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि नितिन नवीन जी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से देशभर में पार्टी को नई दिशा, नई ऊर्जा और नया आत्मविश्वास मिलेगा।

राष्ट्रीय बालिका दिवस: खुड़िया स्कूल में एनीमिया मुक्त भारत जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई 70 बच्चों की एनीमिया जांच

मुंगेली(समय दर्शन) राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर विकासखण्ड लोरमी के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खुड़िया में एनीमिया मुक्त भारत की दिशा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती संजूला शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में बालिकाओं के शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान संतुलित आहार, आयरन युक्त खाद्य पदार्थों के सेवन, एनीमिया के लक्षण, रोकथाम एवं मासिक धर्म स्वच्छता के संबंध में भी बताया गया। साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा 70 बच्चों की एनीमिया जांच भी की गई।

बाल संरक्षण अधिकारी श्रीमती अंजूबाला शुक्ला ने बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत बालिकाओं को लैंगिक समानता, लक्ष्य निर्धारित कर अध्ययन पर ध्यान देने, आत्मविश्वास बढ़ाने एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में 181 सखी वन स्टॉप सेंटर, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, बाल विवाह, पॉक्सो अधिनियम, गुड टच-बैड टच, साइबर क्राइम, बाल श्रम, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई। इस दौरान विद्यालय के समस्त शिक्षकगण, मिशन शक्ति जिला मिशन समन्वयक, केंद्र प्रशासक तथा स्वास्थ्य विभाग से पूनम सिंह राजपूत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पॉश अधिनियम एवं शी बॉक्स पोर्टल: न्यायालय और सीएमएचओ कार्यालय में महिला सुरक्षा हेतु जागरूकता अभियान आयोजित

मुंगेली(समय दर्शन) कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष अधिनियम 2013 तथा शी-बॉक्स पोर्टल के संबंध में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती गिरिजा देवी मेरावी द्वारा जिला न्यायालय परिसर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा द्वारा कार्यालय के साथ ही विभिन्न निजी संस्थानों में पोस्टर चस्पा कर महिला सुरक्षा का संदेश दिया गया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती संजुला शर्मा ने बताया कि अभियान का उद्देश्य कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ होने वाले लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम करना, शिकायत निवारण की प्रक्रिया की जानकारी देना तथा महिलाओं के समानता, गरिमा, प्राण एवं स्वतंत्रता से जुड़े मौलिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करना है। प्रत्येक कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि अधिनियम 2013 के प्रभावी क्रियान्वयन से महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता मिलेगी और वे निर्भीक होकर शिकायत दर्ज करा सकेंगी। साथ ही शी-बॉक्स पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन शिकायत की सुविधा की जानकारी दी गई, जिससे पारदर्शिता और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर संरक्षण अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती सीतामणि कच्छप सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

वन विभाग ने जिला प्रशासन को रखा अंधेरे में,नियम विरुद्ध काटे गए हरे भरे झाड़

गरियाबंद में फोर-लेन सड़क निर्माण कार्य नियमों को ताक में रखकर जारी

गरियाबंद (समय दर्श न)। ।राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-130 सी पर गरियाबंद-मजरकटा-के शोडार डोंगरीगांव मार्ग के शहरी क्षेत्र में फोर-लेन सड़क चौड़ीकरण का कार्य किया जाना है।निर्माण कार्य के दौरान सड़क के दोनों ओर स्थित वृक्षों की कटाई को लेकर उठे सवालों पर जिला प्रशासन द्वारा वन विभाग को नोटिश दिया था उसके जवाब में वन विभाग ने जिला प्रशासन को अंधेर में रखकर जवाब में बताया कि सम्पूर्ण प्रक्रिया नियमों और अनुमतियों के दायरे में संपन्न की जा रही है।जवाब में वनमण्डलाधिकारी द्वारा बताया गया कि अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) गरियाबंद द्वारा कुल 307 वृक्षों की कटाई की विधिवत अनुमति प्रदान की गई है।मार्किंग के बाद कटाई कार्य प्रारंभ किया गया।कार्य के दौरान कुछ समीपवर्ती वृक्षों को तकनीकी कारणों एवं सुरक्षा दृष्टि से क्षति पहुंचने की आशंका उत्पन्न होने पर उन्हें भी हटाना आवश्यक हो गया।जबकि राजस्व विभाग और वन विभाग द्वारा एक झाड़ काटने पर विभिन्न प्रकार के नियम और शर्तें रख कर एक झाड़ को काटने की अनुमति दिया जाता है।जिसे केवल जनसुरक्षा और निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने का हवाला देकर 40 फिट से दूर के चार बड़े बड़े हरे भरे झाड़ को काटा गया,जबकि पूर्व में इस झाड़ कटाई के विषय में परिक्षेत्र अधिकारी ने बताया था कि वो एक जनप्रतिधि जिनका नाम बताने से इंकार करते हुए उन्हीं के दबाव में झाड़ को कटाने की बात को स्वीकार किया भी था।वही देखा गया है कि शहर के अंदर और सड़क के किनारे कई ऐसे सूखे हुए झाड़ है जो थोड़े से हवा में धाराशाई हो सकता है उससे जन धन दोनों की हानि हो सकती है,उन सूखे झाड़ को नहीं काटा गया है, सड़क निर्माण के नाम पर हुए ये अवैध कटाई किसी के दबाव के चलते किसी व्यक्ति विशेष को लाभ पहुंचाना स्पष्ट झलकता है वही इन काटे गए झाड़ के प्रति पूरे नगर के लोगो में चर्चा देखने को मिला।

जिले के 117 में से 94 वरिष्ठ नागरिकों का मोतियाबिंद सर्जरी एम्स में होगा

कवर्धा (समयदर्शन)। भारत सरकार की अटल वयो अभ्युदय योजना के अंतर्गत जिले के वरिष्ठ नागरिकों के लिए मोतियाबिंद सर्जरी हेतु चिन्हांकन करने शिविर लगाया गया। जिला अस्पताल में गुरुवार 22 जनवरी को समाज कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा स्थानीय जनपद पंचायत एवं नगरीय निकाय के सहयोग से आयोजित शिविर में जिले के 117 वरिष्ठ लोगों में से 94 मोतियाबिंद आपरेशन के लिए चिन्हाकित किया गया। सभी 94 लोगों का मोतियाबिंद आपरेशन एम्स रायपुर में कराया जाएगा।

शिविर में जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए वरिष्ठ नागरिकों का पंजीयन किया गया। कवर्धा विकासखंड से 36, बोड़ला से 36, पंडरिया से 20 तथा सहसपुर लोहारा से 25

वरिष्ठ नागरिकों का पंजीयन हुआ। इस प्रकार कुल 117 वरिष्ठ नागरिकों का पंजीयन किया गया है। इसमें 94 मोतियाबिंद सर्जरी के लिए चिन्हांकित किया गया। शिविर में चिन्हांकित वरिष्ठ नागरिकों का मोतियाबिंद ऑपरेशन अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायपुर में 1 फरवरी 2026 से कराया जाना संभावित है। इसकी जानकारी संबंधित हितग्राहियों को अलग से दी जाएगी।

शिविर में समाज कल्याण कबीरधाम की उपसंचालक श्रीमती अभिलाषा पंडा, मुख्य अस्पताल के सिविल सर्जन और अधीक्षक केशव ध्रुव, नेत्र सर्जन डॉ. क्षमा चोपड़ा, नेत्र सहायक अधिकारी धीरेन्द्र शर्मा, श्रीमती अनामिका मढ़रिया, देवकुमार कौशिक (अधीक्षक, दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ विद्यालय, सिंघनपुरी) सहित समाज शिक्षा संगठक, पंचायत कर्मचारी तथा समाज कल्याण विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

शंकराचार्य की गरिमा मिट्टी से सनी, मोदी योगी सरकार तमाशबीन बनी- नवीन जायसवाल

कवर्धा (समयदर्शन)। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष नवीन जायसवाल ने कहा कि प्रयागराज माघ मेले में जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी को शाही स्नान से रोके जाने और उनके साथ किए गए दुर्व्यवहार की कड़े शब्दों में कांग्रेस घोर निंदा करती है और इसे सनातन धर्म और सदियों पुरानी परंपरा पर सीधा हमला बताया है।

श्री जायसवाल ने कहा कि खुद को हिंदुओं का मसीहा बताने वाली भाजपा सरकार आज हिंदू संतों का अपमान कर रही है। हालात इतने भयावह हैं कि शंकराचार्य जी को अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर आशंका है और वे पिछले 36 घंटों से अनशन पर बैठने मजबूर हैं, लेकिन सरकार की ओर से अब तक उनसे संवाद का कोई प्रयास नहीं किया गया। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक सिंह ने आरोप लगाया कि शंकराचार्य और उनके समर्थकों के साथ दुर्व्यवहार किया गया, शिष्यों को बाल पकड़कर घसीटा गया, जिससे सुरक्षा की गंभीर स्थिति बनी। उन्होंने सवाल उठाया कि जब एक ओर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को जेड-प्लस सुरक्षा दी जाती है, तो दूसरी ओर शंकराचार्य के समर्थकों पर लाठियां क्यों बरसाई जाती हैं? क्या भाजपा सरकार में शंकराचार्य से बड़े कोई और हो गए हैं? उन्होंने कहा कि शंकराचार्य का अपराध सिर्फ इतना है कि वे सरकार की कमियों पर सवाल उठाते हैं, आधे-अधूरे राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा पर आपत्ति जताते हैं, महाकुंभ की अव्यवस्थाओं और कोविड काल में गंगा में तैरती लाशों जैसे सच को सामने रखते हैं। इसी कारण भाजपा सत्ता के अहंकार में उनका अपमान कर रही है।

कवर्धा ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष

मणिकांत त्रिपाठी ने कहा कि जो लोग आज शंकराचार्य के अपमान पर चुप हैं, वे न सच्चे हिंदू हैं और न ही सनातनी। सनातन परंपरा में अन्याय के सामने मौन को कभी धर्म नहीं माना गया। यह मौन शांति नहीं, बल्कि सत्ता और ट्रोल के डर का परिणाम है। धर्म नारों से नहीं, नैतिक साहस से जीवित रहता है मोदी योगी काल में संत असुरक्षित उन्होंने कहा कि यह कटु सत्य है कि इस दौर में धर्म का सबसे अधिक राजनीतिक उपयोग हुआ और साधु-संतों का सबसे अधिक अपमान। मंदिर बने, लेकिन संत असुरक्षित हुए। धर्म को मंच मिला, पर परंपरा को सम्मान नहीं। यह सनातन का उत्थान नहीं, सत्ता की दलाली है।

महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष सीमा अनंत ने कहा कि शंकराचार्य की गरिमा रौंदी जा रही है, कल किसी और संत की बारी होगी और फिर आम हिंदू की। जो आज चुप हैं, वे भविष्य में रोने का भी अधिकार खो देंगे। बोड़ला ब्लॉक अध्यक्ष छबिलाल वर्मा ने कहा कि भाजपा-भक्ति और धर्म-भक्ति में फर्क समझना जरूरी है। सनातन कभी सत्ता-केंद्रित नहीं रहा। शंकराचार्य परंपरा ने हमेशा गलत नीतियों और सत्ता के अहंकार को चुनौती दी है। आज यदि वही परंपरा अपमानित हो और तथाकथित हिंदू चुप रहें, तो यह भक्ति नहीं बल्कि गुलामी है।

अंत में युवा नेता मनीष शर्मा ने कहा कि यह समय सत्य कहने और धर्म के साथ खड़े होने का है धर्म सरकार से बड़ा है, शंकराचार्य सत्ता से ऊपर हैं।जो लोग आज चुप हैं, इतिहास उन्हें मौन के अपराधी के रूप में याद रखेगा। आज के प्रेस वार्ता में वीरेंद्र जांगड़े, गणेश योगी, गोपाल चंद्रवंशी, कल्याणी टोन्डर, चोवाराम साहू, प्रशांत परिहार, नीलकंठ साहू, टीकम शर्मा, भीषम पांडे, राजेन्द्र चंद्रवंशी, राजेन्द्र मार्कण्डेय, भरत साहू, धनेश पाली, सुधांशु बघेल, मेहुल सत्यवंशी, रामायण सिन्हा, पुष्पलता जोशी, पूर्णिमा चंद्राकर, अमन वर्मा, वैभव ठाकुर, सुजल ठाकुर, आशीष साहू, तुषार वर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे।

शंकराचार्य का अपमान, पूरे सनातन धर्म का अपमान- जिलाध्यक्ष श्री जायसवाल ने बताया कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पिछले 40 वर्षों से नियमित रूप से शाही स्नान करते आ रहे हैं, और यह पहली बार है जब उन्हें इस अखंड धार्मिक परंपरा से रोका गया है। मौनी अमावस्या का शाही स्नान सदियों पुरानी परंपरा है, जिसे न मुगलों ने रोका और न अंग्रेजों ने, लेकिन भाजपा सरकार ने इसे रोकने और तोड़ने का दुस्साहस किया है। उन्होने कहा कि शंकराचार्य का अपमान, पूरे सनातन धर्म का अपमान है।

संक्षिप्त-खबर

छत्तीसगढ़िया कथावाचक आचार्य रामानुज युवराज पांडेय को सुरक्षा देने की मांग उठी

राजनांदगांव (समय दर्शन)। साधु-संत कथावाचक पर लगातार हो रहे हमलों को लेकर पदुमतरा श्रीराम मंदिर ट्रस्ट समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश साहू ने सरकार और प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में गरियाबंद में सुप्रसिद्ध कथावाचक आचार्य रामानुज युवराज पांडेय पर सातवीं बार हमला हुआ, बावजूद इसके न तो प्रशासन ने कोई ठोस कदम उठाया और न ही उन्हें पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की गई। ओमप्रकाश साहू ने कहा, आचार्य रामानुज युवराज पांडेय छत्तीसगढ़ के गौरव हैं। उनके कार्यक्रमों में सुरक्षा की कमी दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रशासन को तुरंत उनके कार्यक्रमों में सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए ताकि कथा सुरक्षित रूप से जारी रह सके। पूर्व जनपद सभापति और ट्रस्ट अध्यक्ष ओमप्रकाश साहू ने प्रशासन से अपील की है कि आचार्य जी के सभी कार्यक्रमों में आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि यह केवल आचार्य जी के सम्मान के लिए ही नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर की सुरक्षा के लिए भी जरूरी है। इस मामले में शहर के सामाजिक संगठनों और धर्मसंस्थाओं की ओर से भी आचार्य रामानुज युवराज पांडेय की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग उठ रही है।

सुकुलदैहान मंडल अध्यक्ष बने शिव कुमार देवांगन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट के अनुमोदन से छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत मंडल कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष की नियुक्ति प्रभारी महामंत्री मालकीत सिंह द्वारा आदेश जारी किया गया है, जिसमें सुकुलदैहान मंडल में शिवकुमार देवांगन की नियुक्त किया गया है, इनकी नियुक्त पर पुरे क्षेत्रीय में हर्ष है। शिव देवांगन के नियुक्ति पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गिरीश देवांगन, कांग्रेस जिलाध्यक्ष विपिन यादव, शहर अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार, पूर्व अध्यक्ष भागवत साहू, ब्लॉक अध्यक्ष रोहित चंद्राकर, पूर्व जनपद सभापति ओमप्रकाश साहू, सतीश साहू, प्रेमलाल सिन्हा, प्रकाश देवांगन, रामफेर साहू, दुर्गेश देवांगन, चंद्रशेखर मालेकर, जागेश्वर देवांगन, खोमलाल साहू, महेश्वर वर्मा, ठाकुर राम साहू, छोटूराम साहू, गीता साहू, सुभाष निर्मलकर, जितेन देवांगन, खेमचंद मारकंडे, गोपीचंद गायकवाड़, मनीष साहू, अकबर साहू, डॉ. बृज दास सहित कार्यकर्ताओ ने अध्यक्ष नियुक्त पर बधाई व शुभकामनाएं दिए।

गौ विज्ञान परीक्षा का आयोजन, 5740 छात्रों ने लिया भाग

मुंगेली(समय दर्शन) छत्तीसगढ़ राज्य गौ संरक्षण एवं संवर्धन समिति के तत्वावधान में गौ विज्ञान परीक्षा का पहला चरण आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शाला प्रबंध समिति के अध्यक्ष उपस्थित हुए।

संकल्प व हवन के साथ परीक्षा की शुरुआत- गौ विज्ञान परीक्षा के प्रारंभ से पहले सभी विद्यार्थियों को संकल्प (शपथ) दिलाया गया, तत्पश्चात हवन आयोजन किया गया। इसके बाद परीक्षा हेतु पंजीकरण किए गए छात्रों को कक्षा कक्ष में उपस्थित कराया गया, और ओएमआर सीट तथा प्रश्न पत्र वितरित किए गए। परीक्षा का संचालन प्रांत निर्देशानुसार हुआ और इसमें निरीक्षक के रूप में अशोक कश्यप (डीएमसी, जिला मुंगेली), जिला संयोजक गौकरण डिंडोले, जिला नोडल अधिकारी लेखराम साहू, जिला परीक्षा प्रभारी/विकासखंड नोडल रामेश्वर प्रसाद साहू, पूनम राजपूत, उत्तम सिंह सोलंकी, भगवान सिंह मण्डावी सहित अन्य अधिकारियों और सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

परीक्षा के बाद जागरूकता व्याख्यान- परीक्षा के समापन के बाद, जिला शिक्षा अधिकारी डाहिरे जी, अशोक कश्यप (डीएमसी), जिला नोडल अधिकारी, जिला संयोजक तथा अन्य अधिकारियों द्वारा गायों की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने गाय की रक्षा के महत्व को समझाते हुए देशी गाय के दूध, दही और घी के उपयोग की बात कही। इसके साथ ही, रामेश्वर प्रसाद साहू ने गाय के पंचागव्य की जानकारी देते हुए गाय के गोबर, गौमूत्र आदि से खाद बनाने का सुझाव दिया और किसानों को प्रेरित किया कि वे इनसे जैविक खेती करें इस परीक्षा में जिले के 5740 छात्रों ने भाग लिया और आयोजन को सफ्ल बनाने में विद्यालयों के प्रमुख, परीक्षा प्रभारी और शिक्षकों का योगदान सराहनीय रहा। समस्त आयोजन का उद्देश्य छत्तीसगढ़ में गौ रक्षा और गौ संवर्धन के प्रति जागरूकता फैलाना था, जिसे इस परीक्षा के माध्यम से सफ्लतापूर्वक प्राप्त किया गया।

पुण्यतिथि पर किया वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के शौर्य का बखान

राजनांदगांव (समय दर्शन)। मेवाड़ मुकुट वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि पर राजपूत समाज ने उनके शौर्य का बखान करते हुए उनकी पुण्यतिथि मनाई। महाराणा प्रताप चौक पर स्थित उनकी प्रतिमा पर सर्वप्रथम माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया, इसके बाद राजपूत समाज के लोगों ने एकजुट होकर उनकी शहादत को याद करते हुए उन्हें नमन किया।

छत्तीसगढ़ राजपूत महासभा, राष्ट्रीय करणी सेना और छत्तीसगढ़ राजपूत महासभा रहटादाह 1282 के संयुक्त तत्वाधान में महाराणा प्रताप चौक स्थित वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर उनकी पुण्यतिथि मनाई, यह प्रथम अवसर है, जब राजपूत समाज के अलग-अलग संगठनों ने एक मंच पर आकर महाराणा प्रताप के शौर्य का पुण्य स्मरण किया है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजय बहादुर सिंह ने कहा कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप ने समाज की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राण निछावर कर दिए उनके शौर्य और पराक्रम को नमन करते हुए छत्तीसगढ़ के राजपूत समाज को समाज के हित में एकजुट होकर काम करने के लिए सामने आना होगा। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप के समाज को दिए संदेश को हर सामाजिक बंधुओं को स्पष्ट करना है, ताकि समाज की एकता और अखंडता बनी रहे। इस अवसर पर राजपूत समाज के संजय सिंह राजपूत, गोल्डी भदौरिया, कपिल सिंह चौहान, विवेक सिंह राजपूत, चंदन सिंह, प्रशांत कुशवाहा, अजय कुशवाहा, अभिषेक सिंह, प्रिंस सिंह, शंकर सिंह राजपूत, अविनाश भार्गव, सुजीत सिंह, शुभम बनाफ्र, अमित सिंह राजपूत, सुजीत सिंह राजपूत, प्रमोद, विवेक सिंह राजपूत, सुधीर सिंह राजपूत, मिथलेश राजपूत, हर्ष राजपूत, रोहन राजपूत, चंदन सिंह राजपूत, प्रिंस राजपूत, जयराज गहरवार, ऋषभ राजपूत आदि मौजूद रहे।

भगत देवरी में बिना अनुमति संचालित किए जा रहे ब्लड डोनेशन कैंप पर स्वास्थ्य विभाग की कार्यवाही

बसना (समय दर्शन)। विकासखंड अंतर्गत ग्राम भगत देवरी में बिना अनुमति संचालित किए जा रहे ब्लड डोनेशन कैंप पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई की गई। प्राप्त शिकायत के आधार पर 21 जनवरी को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आई. नागेश्वर राव के निर्देशन में संयुक्त टीम द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल में बीएमओ पिथौरा डॉ. तारा अग्रवाल, औषधि निरीक्षक अवधेष भारद्वाज, जिला परियोजना समन्वयक ओम प्रकाश धुरंधर एवं लैब टेक्नीशियन खिलेश्वर चंद्राकर शामिल थे।

टीम द्वारा संदीप अग्रवाल के बाड़े में, लाडो किराना के पास आयोजित ब्लड डोनेशन कैंप का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि जिस स्थल पर रक्तदान शिविर आयोजित किया जा रहा था, वह निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं था। शिविर में शासन के निर्देशानुसार आवश्यक चिकित्सक एवं प्रशिक्षित स्टाफ भी उपस्थित नहीं थे। साथ ही, बिना सक्षम अनुमति के अवैधानिक रूप से ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया जा रहा था।

जांच में ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट 1940 एवं नियम 1945, साथ ही इ्ष्टह डुठ्स्र ह्क्क्ष्ष्ट के विधिक प्रावधानों का उल्लंघन पाया गया। गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए जांच में ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट 1940 एवं नियम 1945, साथ ही इ्ष्टह डुठ्स्र ह्क्क्ष्ष्ट के विधिक प्रावधानों का उल्लंघन पाया गया। गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए शिविर को तत्काल प्रभाव से बंद कराया गया। मौके से 07 यूनिट रक्त जब्त किया गया, जिसे उचित तापमान में संग्रहित नहीं किया गया था। स्वास्थ्य विभाग ने निर्देशित किया है कि बिना अनुमति एवं निर्धारित मानकों के विपरीत किसी भी प्रकार का ब्लड डोनेशन कैंप आयोजित करना कानूनन अपराध है। ऐसी गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

असाक्षरों के लिए 26 जनवरी को सभी गांवों में उल्लास मेला का आयोजन

सारंगढ़ बिलाईगढ़, (समय दर्शन) असाक्षरों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अंतर्गत उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम को लेकर 26 जनवरी को मेला का आयोजन प्रत्येक ग्राम में किया जाएगा। इसे लेकर जिले में तैयारी शुरू हो गई है। सभी ग्राम, वार्ड प्रभारी एवं शैक्षिक समन्वयकों का प्रशिक्षण संपन्न हो चुका है जिसमें मेले के आयोजन की रूपरेखा पर चर्चा की गई। इसमें 15 वर्ष से अधिक उम्र के सभी महिला एवं पुरुष शामिल होंगे जो उल्लास साक्षरता केंद्रों में अध्ययन करेंगे और साक्षर को वालंटियर शिक्षक के माध्यम से पढ़ने लिखने की आवश्यक कार्यवाही की जाएगी ताकि उन्हें 200 घंटे की शिक्षा पूर्ण करते हुए आगामी परीक्षा में शामिल कर उन्हें मूलभूत संख्या ज्ञान के साथ वित्तीय डिजिटल कानूनी स्वास्थ्य स्वच्छता चुनाव साक्षरता जैसे महत्वपूर्ण जीवन कौशलों की जीवन कौशलों की जानकारी प्रदान किया जा सके।उल्लास मेला का आयोजन गणतंत्र दिवस कार्यक्रम के साथ ही होगा। इसमे गांव के नवसाक्षरों द्वारा ग्राम प्रभारी एवं स्वयंसेवी शिक्षकों की सहायता से स्टाल का प्रदर्शन करेंगे।बुनियादी साक्षरता एवं गणितीय संक्रिया पर आधारित कम से कम 07 अवधारणा को लेकर स्टॉल को सजायेंगे।

राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम अन्तर्गत राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन

महासमुंद(समय दर्शन)। राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम अन्तर्गत 21 जनवरी को शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर में कोटपा एक्ट 2003 (सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003) विषय पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में समस्त जिले के अंतर्विभागीय एक-एक प्रतिभागियों को शामिल किया गया। प्रशिक्षण में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, परिवहन विभाग व नगरीय प्रशासन के एक-एक प्रतिभागियों को नामांकित किया गया था। राज्य स्तरीय कार्यशाला के उपरांत कोटपा एक्ट 2003 (सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003) विषय पर जिले के संयुक्त प्रवर्तन दल के द्वारा कोटपा एक्ट 2003 के तहत चालानी कार्यवाही कर उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर आई. नागेश्वर राव के निर्देशन, डीपीएम श्रीमती नीलू घृतलहरे के मार्गदर्शन व जिला नोडल अधिकारी एन टी सी पी डॉक्टर छत्रपाल चंद्राकर सर के सहयोग से प्रतिमाह संयुक्त प्रवर्तन दल के द्वारा कोटपा एक्ट 2003 के तहत चालानी कार्यवाही की जाती है।

नागरिक सहकारी बैंक के संचालक मंडल सदस्य के चुनाव के लिए सरगर्मी तेज

संचालक मंडल के 12 पदों के लिए 14 फरवरी को होंगे मतदान, 3 फरवरी से नामांकन की प्रक्रिया

दुर्ग (समय दर्शन)। नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित दुर्ग के 12 संचालक मंडल सदस्य पद (डायरेक्टर) के लिए 14 फरवरी को चुनाव होंगे। चुनाव में कुल 96 नवनिर्वाचित प्रत्यायुक्त सदस्य मतदान करेंगे। मतदान उपरांत एक घंटे पश्चात मतगणना की जाएगी और उसी दिन परिणाम घोषित किए जाएंगे। मतदान की पूरी प्रक्रिया श्री गुर्जर क्षत्रिय गुजराती समाज भवन मोतीपारा में पूरी की जाएगी। मतदान के लिए सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे का समय निर्धारित किया गया है। बैंक के संचालक मंडल सदस्यों के प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव के लिए यह चुनावी कार्यक्रम रिटर्निंग अधिकारी देवाशीष दास द्वारा गुरुवार को जारी किया गया है। इस चुनाव का जनप्रतिनिधियों के अलावा सहकारिता से जुड़े लोगों, व्यवसायियों व बैंक के सदस्यों को बेसब्री से इंतजार था, लिहाजा चुनावी कार्यक्रम जारी होते ही संचालक मंडल सदस्यों के चुनाव के लिए सरगर्मी तेज हो गई है। राज्य सहकारी निर्वाचन आयोग रायपुर (छ.ग.) के आदेश के अनुपालन में नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित के रिटर्निंग अधिकारी देवाशीष दास द्वारा जारी चुनावी कार्यक्रम अनुसार संचालक मंडल सदस्यों के चुनाव के लिए 3 फरवरी से नामांकन प्रक्रिया की शुरुआत होगी। 3 फरवरी को अभ्यर्थी दोपहर 12 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच नामांकन पत्र जमा कर सकेंगे। 4 फरवरी को शाम 4 बजे से प्राप्त नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। जिसके उपरांत वैध नामांकन पत्रों की सूची का प्रकाशन किया जाएगा। नामांकन पत्रों की वापसी के लिए 5 फरवरी की तिथि निर्धारित की गई। अभ्यर्थी सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच अपना नामांकन वापस ले सकेंगे। नामांकन वापसी की प्रक्रिया समाप्ति उपरांत अभ्यर्थियों की अंतिम सूची और उन्हें चुनाव चिन्ह का आबंटन किया जाएगा। नामांकन की प्रक्रिया बैंक मुख्यालय अस्पताल वार्ड पचरीपारा में पूरी की जाएगी। मतदान की स्थिति निर्मित होने पर 14 फरवरी को मतदान की प्रक्रिया पूरी करवाई जाएगी और इसी दिन परिणाम घोषित किए जाएंगे। रिटर्निंग अधिकारी देवाशीष दास ने बताया कि बैंक के कुल 12 संचालक मंडल सदस्य पद हेतु चुनाव होंगे। जिसमें से 10 पद सामान्य वर्ग (अनारक्षित) के लिए है। इनमें 2 पद महिला वर्ग और 2 पद सनदी लेखाकार (चार्टर्ड एकाउंटेंट) के लिए आरक्षित होंगे। इसके अलावा 1-1 पद अन्य पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित किए गए है। रिटर्निंग अधिकारी देवाशीष दास ने बताया कि संचालक मंडल सदस्यों के अलावा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं अन्य सोसायटियों के प्रतिनिधियों व अन्य पदाधिकारियों के निर्वाचन की सूचना 16 फरवरी को जारी किया जाएगा। इन पदों पर निर्वाचन की प्रक्रिया 20 फरवरी को शाम 4 बजे से बैंक मुख्यालय अस्पताल वार्ड पचरीपारा में पूरी की जाएगी।

कोटवार ने किसान के जमीन पर किया कब्जा, बिना अनुमति के पेड़ो की कर दी कटाई, एसडीएम से की शिकायत

पाटन (समय दर्शन)। कुर्मीगुण्डरा के कृषक देवघर साहू ने ग्राम कोटवार द्वारा खसरा नं.293 का जमीन अधिग्रहण और खसरा नं.324 ग्राम कोटवार शासकीय पट्टा कि जमीन से 10 नग बिना अनुमति पेड़ कटाई के अलवा शासकीय जमीन अतिक्रमण कि शिकायत एसडीएम पाटन से की है। उन्होंने ज्ञापन में बताया है कि उनके नाम से खसरा नं. 293 में दर्ज जमीन जिसमें उसका कब्जा था जिसको ग्राम कोटवार तोरणदास मानिकपुरी पिता पुरूषोत्तम दास मानिकपुरी द्वारा उनके बिना उपस्थिति के बिना सीमांकन आदेश के उनके खेत में मेड तोड कर कब्जा कर लिया। साथ हि ग्राम कोटवार के नाम अंबटित जमीन खसरा नं. 324 में लगे हरे भरे वृक्ष को बिना अनुमा लिये काट कर पार्यावरण क्षति पहुचाने का काम किया है। ग्राम कोटवार द्वारा बिना शासकीय अनुमति लिए पेड़ काटना और बिना सीमांकन आदेश के जमीन अधिग्रहण करना अनुचित है।उक्त कार्य के अलवा उनके द्वारा शासकीय जमीन को अतिक्रमण कर खेत बनाया जा रहा है। ग्राम कोटवार द्वारा नियम के विरूद्ध किये जा रहे कार्यों की जांच करा कर शक्त कार्यवाही करने की मांग की है।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सख्ती से महासमुंद में बाल क्रूरता मामले के आरोपी गिरफ्तार

महासमुंद(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा की त्वरित एवं सख्त कार्रवाई के चलते महासमुंद जिले में एक बच्चे के साथ क्रूरता के गंभीर मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित हुई है। यह प्रकरण बाल अधिकारों के संरक्षण की दिशा में आयोग की सक्रिय भूमिका का महत्वपूर्ण उदाहरण है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, महासमुंद जिले के एक गांव में समाज के एक रसूखदार परिवार द्वारा एक बच्चे को निर्वस्त्र कर बेरहमी से पीटने की सूचना आयोग को मिली थी। बच्चे पर 600 रुपये की चोरी का झूठा आरोप लगाया गया था, जो जांच में पूरी तरह असत्य पाया गया। सूचना मिलते ही आयोग अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा स्वयं देर रात गांव पहुंचीं और पीड़ित परिवार से भेंट कर पूरे मामले की विस्तृत जांच की।

जांच में यह भी सामने आया कि बच्चे के साथ मारपीट के बाद उसके पिता को भी गंभीर रूप से प्रताड़ित किया गया, जिससे आहत होकर पिता ने आत्महत्या कर ली। मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉ. शर्मा ने तत्काल पुलिस महानिदेशक से समन्वय कर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए, जिसके फ्लस्वरूप आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

आयोग ने प्रकरण में तत्कालीन थाना प्रभारी की गंभीर लापरवाही पर दंडात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की थी। पुलिस अधीक्षक महासमुंद द्वारा थानेदार को निंदा की शास्ति दी गई, जिसे आयोग ने अपर्याप्त मानते हुए पुलिस मुख्यालय से कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया भी प्रारंभ करवाई है।

उल्लेखनीय है कि इस मामले में तीनों आरोपियों के विरुद्ध चालान प्रस्तुत कर दिया गया है तथा प्रमुख आरोपी को जनवरी माह के मध्य तक जेल में रखा गया है। आयोग की अनुशंसा पर आरोपियों के खिलाफ बी.एन.एस. की धारा 108, 127(2), 115(2), 351(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

इसके साथ ही आयोग ने बाल कल्याण समिति एवं जिला बाल संरक्षण दल को निर्देशित किया है कि पीड़ित बच्चे की संपूर्ण देखभाल, शिक्षा एवं पुनर्वास सुनिश्चित किया जाए तथा पीड़ित क्षतिपूर्ति मुआवजा दिलाने की कार्रवाई की जाए। आयोग ने न्यायालयीन प्रकरण में दोषियों के विरुद्ध किशोर न्याय अधिनियम की धारा 75 तथा यदि बाल श्रम प्रतिषेध अधिनियम के अंतर्गत निषेधित श्रम पाया जाता है, तो उससे संबंधित सुसंगत धाराओं को अभियोग पत्र में शामिल करने के भी निर्देश पुलिस प्रशासन को दिए हैं। आयोग अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने स्पष्ट किया कि बच्चों के साथ किसी भी प्रकार की हिंसा, उत्पीड़न या शोषण को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों में दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26